राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात, संस्करण सोमवार,29 जुन2020 वर्ष–2, अंक –116 पृष्ठ–09 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

3 जुलाई से शुरु होगा वंदे भारत मिशन का चौथा चरण, 17 देशों से लाए जाएंगे भारतीय नागरिक

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोरोना वायरसके कारण विदेश में फंसे भारतीय नागरिकों को वापास लाने का काम लगातार जारी है। 'वंदे भारत मिशन' और 'ऑपरेशन समुद्र सेतु' के तहत अब तक 2 163 लाख भारतीय नागरिकों को वापस लाया जा चुका है। एयर इंडिया एक आधिकारिक दस्तावेज के अनुसार, वंदे भारत मिशन के चौथे चरण की शुरुआत 3 जुलाई से होगी, जो 15 जुलाई तक चलेगी। इस दौरान 17 देशों से 170 उड़ानों का संचालन किया जाएगा।

सरकार ने 6 मई से इस मिशन को शुरू किया था, ताकि विदेश में फंसे हुए लोगों को विशेष प्रत्यावर्तन उड़ानों के वापस लाया जा सके। कोरोना वायरस महामारी के कारण 23 मार्च से भारत में अंतरराष्ट्रीय यात्री उड़ानों को निलंबित कर दिया गया है।

एयरलाइन के दस्तावेज के अनुसार, 'वंदे भारत मिशन' के चौथे चरण के तहत एयर इंडिया कनाडा, अमेरिका, यूके, केन्या, श्रीलंका, फिलीपींस, किर्गिस्तान, सऊदी अरब, बांग्लादेश, थाईलैंड, दक्षिण अफ्रीका, रूस, ऑस्ट्रेलिया, म्यांमार, जापान, यूक्रेन और वियतनाम से 170 उड़ानों का संचालन करेगी।

चौथे चरण के तहत इन 170 चार्टर्ड उड़ानों को 3 से 15 जुलाई के बीच संचालित किया जाना है। दस्तावेज के अनुसार, इंडो–यूके

मार्ग पर 38 और इंडो–यूएस मार्ग पर 32 उड़ानों को संचालित किया जाएंगा। इसके अलावा भारत और सऊदी अरब के बीच 26 उड़ानें संचालित होंगी।

बता दें कि एयर इंडिया तीसरे चरण में 495 चार्टर्ड उड़ानों को विभिन्न देशों से संचालित कर रही है। मिश न का तीसरा चरण 10 जून को शुरू हआ था, जो 4 जुलाई को समाप्त होगा। इशका पहला चरण 7 से 16 मई तक चला था, जिसके बाद दूसरा चरण शुरू हुआ था।

कोरोना वायरस के प्रकोप से निपटने के लिए लगभग दो महीने के निलंबन के बाद सरकार ने 25 मई से घरेलू यात्री उड़ानों को फिर से शुरू किया था। 20 जून को नागरिक उड्डयन मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि सरकार जुलाई के मध्य में अंतरराष्ट्रीय यात्री उड़ानों को फिर से शुरू करने पर विचार करेगी।

राम मंदिर की पहली मंजिल के लिए पत.थर तराशने का काम पूरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राम मंदिर निर्माण को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले से तस्वीर साफ हुई, तो तैयारियों ने भी जोर पकड़ लिया। मंदिर के लिए 1990 के दशक से राम जन्मभूमि न्यास की कार्यशाला में तराश कर रखे गए पत्थरों की भी तकदीर बदल गई और इनकी साफ–सफाई का काम शुरू हुआ। तराशे गए पत्थरों की साफ–सफाई के लिए दिल्ली की कंपनी केएलए कंस्ट्रक्शन लिमिटेड को ठेका दिया गया है।

जानकारी के मुताबिक पत्थरों की साफ–सफाई के साथ ही पत्थरों को तराशने का काम भी चल रहा है।

पत्थर तराशने के काम की निगरानी कर रहे अन्नू भाई सोनपुरा ने बताया कि एक मंजिल के लिए पत्थर तराशने का काम पूरा हो गया है। इसे राम जन्मभूमि परिसर में सफाई के बाद पहुंचा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि दूसरी मंजिल के लिए पत्थर तराशने का काम वहीं होगा।

वहीं, पत्थरों की साफ–सफाई का कार्य कर रही कंपनी के निदेशक संदीप गर्ग ने कहा कि हम स्वदेश केमिकल से पत्थरों की सफाई कर रहे हैं। इसके जो परिणाम हैं, उनकी गुणवत्ता विदेशी केमिकल के इस्तेमाल के मुकाबले 10 गुना बेहतर है। उन्होंने बताया कि पुराने भवनों के रिहैबिलिटेशन में कंपनी की विशेषज्ञता है। गर्ग ने बताया कि दो दर्जन से अधिक प्रशिक्षित कर्मचारी पत्थरों की सफाई में जुटे हैं। वहीं, दूसरी तरफ श्रीराम जन्मभूमि पर मंदिर निर्माण के लिए स्वायल टेस्टिंग और समतलीकरण का काम भी चल रहा है।

स्वायल टेस्टिंग और मंदिर की बुनियाद का स्ट्रक्चर तैयार करने का काम एलएनटी कर रही है। बुनियाद का स्ट्रक्चर तैयार होने के बाद सबसे पहले पत्थरों की आवश्यकता होगी, इसीलिए तराशे गए पत्थरों की साफ–सफाई के लिए ठेका दिया गया है। बताया जाता है

कि कई कंपनियों ने ट्रस्ट को अपना डेमो दिया था। ट्रस्ट ने सभी के डेमो देखने के बाद दिल्ली की कंपनी केएलए को पत्थरों की सफाई का टेंडर दिया। कंपनी से जुड़े सूत्रों की मानें तो 3 से 4 महीने में पत्थरों की सफाई का कार्य पूरा कर लिया जाएगा।

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
YouTube Linked in
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

बड़ा ऐलानः पंजाब में सभी यूनिवर्सिटी की परीक्षाएं 15 जुलाई तक स्थगित

पंजाब। कोविड महामारी के बीच परीक्षाओं के आयोजन पर छात्रों और अभिभावकों द्वारा व्यक्त की गई चिंताओं के जवाब में, पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने रविवार को राज्य के सभी विश्वविद्यालयों में एग्जिट कक्षाओं के लिए परीक्षाएं स्थगित करने की घोषणा 15 जुलाई तक कर दी। हालांकि, इस विषय पर अंतिम निर्णय किसी भी समय विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा जारी किए जाने वाले नए निर्देशों / दिशानिर्देशों के अधीन होगा। गौरतलब है कि पंजाब के विश्वविद्यालयों ने 29 अप्रैल को यूजीसी द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार जुलाई 2020 में एग्जिट कक्षाओं की परीक्षा आयोजित करने का निर्णय लिया था। यूजीसी ने तब घोषणा की थी कि वह इस स्थिति के खिलाफ समीक्षा करेगी। हालांकि, शैक्षणिक गतिविधियों विशेष रूप से परीक्षाओं के संचालन के बारे में निर्णय अभी भी यूजीसी से प्रतीक्षित है। मुख्यमंत्री बार-बार यह संकेत दे रहे हैं कि चूंकि पंजाब के सभी विश्वविद्यालय और कॉलेज यूजीसी से मान्यताप्राप्त / संबद्ध हैं, इसलिए परीक्षा का कोई भी निर्णय केवल भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अधीन ही लिया जा सकता है।

भारत-चीन सीमा पर बढ़ी टेंशन, कश्मीर में दो महीने के लिए एलपीजी स्टॉक करने का आदेश

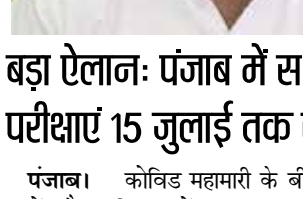

श्रीनगर। म लद्दाख में गलवान घाटी पर हिंसक झड़प के बाद भारत-चीन के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। इस बीच जम्मू-कश्मीर सरकार के आदेश के बाद वहां के लोगों में चिंता और बढ़ गई हैं। दरअसल, जम्मू-कश्मीर में सरकार ने दो महीने के लिए एलपीजी सिलेंडर का स्टॉक करने का आदेश दिया है। इसके अलावा सुरक्षाबलों के लिए स्कूल को खाली करने का आदेश भी दिया गया है। लद्दाख में भारत-चीन के बीच जारी तनातनी के बीच अब जम्मू-कश्मीर सरकार ने दो अलग-अलग आदेश जारी किए हैं, जिसके कारण वहां के लोगों में चिंता बढ़ती हुई दिखाई दे रही है। इनमें एक आदेश में कश्मीर में लोगों से कम से कम दो महीने के लिए एलपीजी सिलेंडर का स्टॉक करने के लिए कहा गया है। इसके अलावा जम्मू-कश्मीर सरकार की ओर से एक दूसरा आदेश भी जारी किया गया है। दूसरे आदेश में गांदरबल में सुरक्षाबलों के लिए स्कूल की इमारतों को खाली करने के आदेश दिए गए हैं। कश्मीर में गांदरबल जिला लद्दाख के कारगिल से सटा हुआ है। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल के सलाहकार ने एक बैठक में घाटी में एलीपी के पर्याप्त स्टॉक को सुनिश्चित करने के लिए दिशानिर्देश दिए हैं क्योंकि भूस्खलन के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग बंद होने के कारण आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। इस आदेश को 'मोस्ट अर्जेंट मैटर' के रूप में वर्णित किया गया है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ताओं के निदेशक के जरिए पारित आदेश में तेल कंपनियों से स्पष्ट रूप से कहा गया है कि वे रसोई गैस के पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध कराएं, जो दो महीने तक रह सकें। आमतौर पर अत्यधिक सर्दियों की परिस्थितियों के दौरान इस तरह के आदेश दिए जाते हैं ।

भाजपा के टारगेट पर कमलनाथ

भाजपा के टारगेट पर कमलनाथ, चाईना कनेक्शन को लेकर प्रदेशभर में प्रदर्शन

भोपाल।

मध्य प्रदेश में प्रदेश भाजपा ने राज्य के अलग अलग जिलों में पूर्व मुख्यमंत्री और पीसीसी अध्यक्ष कमलनाथ का पुतला दहन कर विरोध दर्ज कराया। दरअसल सत्तारुढ़ बीजेपी का आरोप है कि पूर्व सीएम कमलनाथ की चीन से मिलीभगत है। इसी के विरोध में आज (28 जून) को प्रदेश भर में कमलनाथ के पुतला दहन करके नारेबाजी की गई। इस दौरान भोपाल में प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा और बीजेपी विधायक रामेश्वर शर्मा ने कमलनाथ के पुतले को पहले लाल जूते पहनाए और फिर उसे आग के हवाले कर दिया। बताया जा रहा है कि बीजेपी विधायक ने चीन के साथ मिलीभगत में कमलनाथ के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराने के लिए पुतले को लाल जूते पहनाए।

छिंदवाड़ा में पुतला दहन

पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ के गृह जिले में रविवार को पुतला दहन किया गया। जिला भाजपा ने कमल नाथ के खिलाफ नगर में पैदल मार्च जमकर नारेबाजी करते हुए बाजार चौक में पुतला दहन किया गया। इस अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष विवेक बंटी साहू सहित भारी मात्रा में भाजपा कार्यकर्ता रहे मौजूद रहे वही पुतला दहन में भाजपा कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच मे तीखी नोक झोंक हुई।

इंदौर

इंदौर में भी नगर अध्यक्ष गौरव रणदिवे ने पूर्व मुख्यमंत्री का पुतला जलाया। जहां बंगाली चौराहे पर बड़ी मात्रा में भाजपा कार्यकर्ताओं ने इक्ट्ठे होकर नारेबाजी भी की।

जबलपुर में पुतला दहन के दौरान झड़प

जबलपुर के रांझी इलाके में बीजेपी द्वारा किये जा रहे कमलनाथ के पुतला दहन कार्यक्रम के दौरान बीजेपी और कांग्रेस के कार्यकर्ता आपस मे भिड़ गए। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कमलनाथ का पुतला जलाए जाने को लेकर विरोध जताया। जिसके बाद दोनों पार्टियों के नेता आपस मे भिड़ गए और एक दूसरे के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। बीजेपी नेताओं का आरोप है कि रांझी के बड़ा पत्थर इलाके में बीजेपी मंडल अध्यक्ष के नेतृत्व में पूर्व सीएम कमलनाथ का पुतला दहन कार्यक्रम पूर्व निर्धारित था। लेकिन बीच मे कुछ कांग्रेस के नेताओं ने गुंडागर्दी शुरू कर दी और उनके कार्यकर्ताओं से पुतला छीनते हुए गलीगलौज और झूमा झपटी करने लगे। वही कांग्रेस कार्यकर्ताओं का कहना है कि रविवार को पूरे शहर में लॉकडाउन घोषित किया गया है जिसके तहत सिर्फ पांच लोगों को ही इकठ्ठा करने की अनुमति थी लेकिन सत्ता के मद मे चूर बीजेपी के नेता सोशल डिस्टेनसिंग की धज्जियां उड़ाते हुए सैकड़ों की तादाद में इकठ्ठा हो गए जिसका कि कांग्रेसियों ने विरोध किया था।

कांग्रेस का पलटवार

पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने राज्य भर में पूर्व मुख्यमंत्री के पुतला दहन किए जाने को लेकर बीजेपी पर हमला बोलते हुए कहा कि ध्यान भटकाने के लिए बीजेपी पुतले जला रही है। कमलनाथ 2005 में केंद्रीय

वाणिज्य मंत्री थे। लेकिन बीजेपी आज इस मुद्दे को उठाकर जनता का ध्यान भटका रही है। जबकि हकीकत यह है कि चीन के बाद अब नेपाल भी भारत को आंखे दिखा रहा है। उनके पास चीन सीमा विवाद पर जबाव नहीं है। पेट्रोल डीजल के दाम लगातार बढ़ रहे है। पीसी शर्मा ने आरोप लगाते हुए कहा कि सीएम शिवराज ने ट्वीट कर लिखा था-चीन के कम्युनिस्ट पार्टी और बीजेपी भाई भाई है। इसका मतलब साफ है कि कमलनाथ से बीजेपी से डर गई है। इसलिए उपचुनाव में उनकी बढ़ती लोकप्रियता से डरकर बीजेपी प्रदर्शन कर रही है।

पीएम मोदी की चीन को चेतावनी- भारत आंख में आंख डालकर जवाब देना जानता है

नेशनल डेस्क। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज अपने कार्यक्रम मन की बात के जरिए देश के लोगों को संबोधित कर रहे हैं। रेडियो के जरिए प्रसारित हो रहे इस कार्यक्रम में पीएम मोदी ने कहा कि देश पड़ोसियों की चुनौतियों से निपट रहा है। उन्होंने चीन को खुली चेतावनी देते हुए कहा कि भारत आंख में आंख डालकर जवाब देना जानता है। कितने ही राज्यों में हमारे किसान भाई-बहन टिड्डी दल के हमले से परेशान हैं और कुछ नहीं। तो देश के कई हिस्सों में छोटे-छोटे भूकंप रुकने का ही नाम नहीं ले रहे। इन सबके बीच, हमारे कुछ पड़ोसियों द्वारा जो हो रहा है, देश उन चुनौतियों से भी निपट रहा है। वाकई, एक-साथ इनती आपदाएं, इस स्तर की आपदाएं, बहुत कम ही देखने-सुनने को मिलती हैं। एक साल में एक चुनौती आए या पचास, नंबर कम-ज्यादा होने से, वो साल ख़राब नहीं हो जाता। भारत का इतिहास ही आपदाओं और चुनौतियों पर जीत हासिल कर, और ज़्यादा निखरकर निकलने का रहा है। भारत का इतिहास ही आपदाओं और चुनौतियों पर जीत हासिल कर, और ज़्यादा निखरकर निकलने का रहा है। सैकड़ों वर्षों तक अलग-अलग आक्रांताओं ने भारत पर हमला किया। लोगों को लगता था कि भारत की संरचना ही नष्ट हो जाएगी, लेकिन इन संकटों से भारत और भी भव्य होकर सामने आया।

महाराष्ट्र से अभी नहीं हटेगा लॉकडाउन, उद्धव ठाकरे - नहीं हो सकते लापरवाह

नेशनल डेस्क।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने रविवार को ऐलान किया कि राज्य में 30 जून के बाद भी लॉकडाउन जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि कोरोना संक्रमण के मामलों की संख्या में वृद्धि जारी है, जिसके चलते लॉकडाउन को आगे बढ़ाने का फैसला लिया गया है। ठाकरे ने नियमों का उल्लंघन करने वालों को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर अधिक मात्रा में भीड़भाड़ की गई तो लॉकडाउन का कठोरता से पालन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हम लापरवाह नहीं हो सकते, अगर हम इस तरह का बर्ताव करते हैं तो कोरोना वायरस हमारा इंतजार कर रहा है। अगर कोई बहुत जरूरी काम नहीं है को कृपया घर से बाहर न निकलें। वहीं सीएम ने कहा कि कोरोना वायरस से बुरी तरह प्रभावित मुंबई में 'चेज द वायरस पहल के अच्छे परिणाम सामने आए और अब इसे राज्य के दूसरे हस्सों में भी लागू

किया जाएगा। अभियान के तहत कोविड-19 रोगी के निकट संपर्क में आने वाले 15 लोगों को आवश्यक रूप से संस्थागत पृथक-वास केंद्र में रखा जाएगा, जबकि समुदाय के नेता लोगों को संस्थागत पृथक-वास केंद्रों में अन्य बीमारियों, जानकारी देंगे। साथ ही वे क्लीनिक के समय के बारे में भी बताएंगे। इसे 27 मई को शुरू किया गया था। भोजन और अन्य सुविधाओं की जानकारी देंगे। साथ ही वे क्लीनिक के समय के बारे में भी बताएंगे। इसे 27 मई को शुरू किया गया था। मुख्यमंत्री ने टेलीविजन से दिए गए संबोधन में कहा कि मुंबई में हमें चेज द वायरस अभियान के अच्छे परिणाम मिले और अब हमने इसे पूरे राज्य में लागू करने का निर्णय किया है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अभियान का विस्तार करने की मांग की है ताकि महाराष्ट्र कम कीमत पर गरीबों को खाद्यान्नों की आपूर्ति कर सके।

राहुल गांधी का मोदी सरकार से सवाल- कब होगी राष्ट्र की सुरक्षा की बात?

नेशनल डेस्क। मोदी सरकार पर पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी के हमले तेज होते जा रहे हैं। चीन के साथ लद्दाख में झड़प के मुद्दे पर लगातार हमलावर राहुल गांधी ने अब सवाल किया है कि राष्ट्र की सुरक्षा की बात कब होगी। माना जा रहा है कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम मन की बात को लेकर यह तंज कसा है। राहुल गांधी ने रविवार को अपने ट्विटर अकाउंट पर लिखा कि कब होगी राष्ट्र रक्षा और सुरक्षा की बात? बता दें कि पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने भारत-चीन सीमा विवाद को लेकर भी प्रधानमंत्री पर कई बार हमला बोला था। उन्होंने बीते दिनों पीएम को नरेंद्र मोदी की बजाए सरेंडर मोदी कहा था। कांग्रेस नेता ने सरकार से सवाल किया था कि हमारे सैनिकों को हथियार के बिना खतरे की ओर से किसने भेजा और इसके लिए कौन जिम्मेदार है? उन्होंने एक वीडियो जारी कर कहा था कि चीन ने शस्त्रहीन भारतीय सैनिकों की हत्या करके बहुत बड़ा अपराध किया हैं। उन्होंने एक वीडियो जारी कर कहा था कि चीन ने शस्त्रहीन भारतीय सैनिकों की हत्या करके बहुत बड़ा अपराध किया हैं।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

चीन को जवाब

प्रधानमंत्री ने मन की बात कार्यक्रम में यह कहकर देश के लोगों का मनोबल बढ़ाने के साथ ही चीन को भी अपने दृढ़ इरादों से परिचित कराया कि लद्दाख की तरफ आंख उठाने वालों को करारा जवाब मिला है। प्रधानमंत्री ने जिस तरह यह कहा कि हमें दोस्ती निभाना और आंखों में आंखें डालकर जवाब देना भी आता है, उससे उन्होंने यह संकेत भी दे दिया कि चीन को उसकी धोखेबाजी का जवाब दिया जाएगा। यह जरूरी भी है। चीन को यह बताने की सख्त जरूरत है कि न तो उसकी शर्तो पर दोस्ती मंजूर है और न ही उसकी दादागीरी। चीन को यह पता चलना ही चाहिए कि उसने कायरों की तरह हमला कर केवल भारी भूल ही नहीं की, बल्कि मुसीबत मोल लेने का भी काम किया है। आवश्यक केवल यह नहीं है कि वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीनी सेना की अतिक्रमणकारी हरकतों का मुंहतोड़ जवाब देने की हरसंभव तैयारी की जाए, बल्कि यह भी है कि आर्थिक एवं कूटनीतिक स्तर पर भी उसके खिलाफ आवश्यक कदम उठाए जाएं। यह समय की मांग थी कि भारत विश्व स्वास्थ्य संगठन के मंच से यह कहता कि कोरोना वायरस के फैलने के कारणों की तह तक जाया जाए। चीन को बच निकलने का कोई मौका नहीं दिया जाना चाहिए। भारत को तिब्बत, ताइवान और हांगकांग के सवालों पर भी चीन को घेरना चाहिए। अब उसकी संवेदनशीलता की चिंता नहीं की जानी चाहिए। वैसे भी हाल के समय में अहंकारी चीनी नेतृत्व ने यही दिखाया है कि वह भारत से अपने लिए जैसा व्यवहार चाहता है वैसा खुद उसके प्रति करने को तैयार नहीं। यह अच्छा हुआ कि प्रधानमंत्री ने लोकल के लिए वोकल नारे को नए सिरे से रेखांकित करते हुए देश में बनी चीजों का इस्तेमाल करने पर जोर दिया। उनकी इस बात का इसलिए विशेष महत्व है, क्योंकि देश में पहले से ही चीनी उत्पादों के बहिष्कार की मांग तेज हो रही है। इस संदर्भ में प्रधानमंत्री ने ऐसे कुछ लोगों का उल्लेख भी किया जिन्होंने यह संकल्प लिया है कि वे स्वदेशी उत्पाद ही अपनाएंगे। साफ है कि प्रधानमंत्री यह कहना चाह रहे हैं कि सभी देशवासी ऐसा ही करें। इससे ही आत्मनिर्भर भारत अभियान को मजबूती मिलेगी और जब ऐसा होगा तब चीनी वस्तुओं की मांग अपने आप गिरेगी। बेहतर हो कि भारतीय उद्योग जगत यह समझे कि चीन के खिलाफ देश में जो माहौल बना है वह उसके लिए एक अवसर है। निःसंदेह सरकार को भी यह देखना चाहिए कि चीन के प्रति लोगों के स्वाभाविक और सर्वथा उचित आक्रोश को भारतीय उद्योग जगत सही तरह से भुनाने में कैसे सफल हो?

आज के ट्वीट

संकल्प

लद्दाख में भारत की भूमि पर आंख उठाकर देखने वालों को करारा जवाब मिला है। भारत मित्रता निभाना जानता है, तो आंख में आंख डालकर उचित जवाब देना भी जानता है। भारत माता की रक्षा के जिस संकल्प से हमारे जवानों ने बलिदान दिया है, उसी संकल्प को हमें भी जीवन का ध्येय बनाना है. -- मन की बात

आत्मनिर्भर भारत-बिना हथियार का युद्ध

डॉ नीलम महेंद्र

आजकल देश में सोशल मीडिया के विभिन्न मंचों पर चीन को बॉयकॉट करने की मुहिम चल रही है। इससे पहले कोविड 19 के परिणामस्वरूप जब देश की अर्थव्यवस्था पर वैश्वीकरण के दुष्प्रभाव सामने आने लगे थे तो प्रधानमंत्री ने आत्मनिर्भर भारत का मंत्र दिया था। उस समय यह मंत्र देश की अर्थव्यवस्था को दीर्घकालिक लाभ पहुंचाने की दृष्टि से उठाया गया एक मजबूत कदम था जो आज भारत चीन सीमा विवाद के चलते बॉयकॉट चायना का रूप ले चुका है। लेकिन जब तक हम आत्मनिर्भर नहीं बनेंगे चीन के आर्थिक बहिष्कार की बातें खोखली ही सिद्ध होंगी। इसे मानव चरित्र का पाखंड कहें या उसकी मजबूरी कि एक तरफ इनटरनेट के विभिन्न माध्यम चीनी समान के बहिष्कार के संदेशों से पटे पड़े हैं तो दूसरी तरफ ई कॉमर्स साइट्स से भारत में चीनी मोबाइल की रिकॉर्ड बिक्री हो रही है। जी हाँ 16 जून को हमारे सैनिकों की शहादत से सोशल मीडिया पर चीन का बहिष्कार करने वाले संदेशो की बाढ़ ही आ गई थी। चीन के खिलाफ देशभर में गुस्सा था तो उसके एक दिन बाद ही 18 जून को ई कॉमर्स साइट्स पर चीन अपने मोबाइल की सेल लगाता है और कुछ घंटों में ही वे बिक भी जाते हैं। अगर भारत के मोबाइल मार्केट में चीनी हिस्सेदारी की बात करें तो आज की तारीख में यह 72 से 75ब्र के बीच है और यह अलग अलग कंपनी के हिसाब से साल भर में 6ब्र से 33ब्र की ग्रोथ रेट दर्ज करता है। लेकिन सिर्फ आम आदमी ही चीनी समान के मायाजाल में फंसा हो ऐसा नहीं है देश की बडी बडी कंपनियाँ भी चीन के भ्रम जाल में उलझी हुई हैं। क्योंकि यहाँ सिर्फ मोबाइल मार्केट की हिस्सेदारी की बात नहीं है, टीवी, अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, से लेकर गाड़ियों के मोटर पार्ट्स, चिप्स, प्लास्टिक, फार्मा या दवा कंपनियों द्वारा आयातित कच्चे माल की मार्किट भी चीन पर निर्भर है। यही कारण है कि चीन से सीमा पर विवाद बढ़ने के बाद जब भारत सरकार ने चीनी समान पर टैरिफ बढ़ाने की बात कही तो मारुति और बजाज जैसी कंपनियों को कहना पड़ा कि सरकार के इस फैसले का भार ग्राहक की जेब पर सीधा असर डालेगा। इन परिस्थितियों में जब हम आत्मनिर्भर भारत की बात करते हैं तो मंज़िल काफी दूर और लक्ष्य बेहद कठिन प्रतीत होता है। इसलिए अगर हम आत्मनिर्भर भारत को केवल एक नारा बना कर छोड़ने के बजाए उसे यथार्थ में आत्मनिर्भर बनाना चाहते हैं तो हमें जोश से नहीं होश से काम लेना होगा। इसके लिए सबसे पहले हमें सच को स्वीकार करना होगा और सत्य यह है कि आज की तारिख में साइंस और टेक्नोलॉजी ही चीन का सबसे बड़ा हथियार है जिसमें हम चीन को टक्कर देने की स्थिति में नहीं हैं। यानी हम बिना हथियार युद्ध के मैदान में कूद रहे हैं तो फिर जीतेंगे कैसे? दरअसल युद्ध कोई भी हो उसे जीतने के लिए अपनी कमजोरियाँ और ताकत दोनों पता होनी चाहिए। अपनी कमजोरियों को दूर करने का प्रयास करना चाहिए और अपनी क्षमताओं का दोहन। यह सच है कि आज की तारीख में विज्ञान और प्रौद्योगिकी हमारी कमजोरी है लेकिन भारत जैसे देश में क्षमताओं और संभावनाओं की कमी नहीं है और यही हमारी सबसे बड़ी ताकत है । हमारी सबसे बड़ी ताकत है हमारी कृषि और हमारे किसान दोनों को ही मजबूत बनाने की जरूरत है। सरकार ने इस दिशा में घोषणाएं भी की हैं लेकिन भारत की अफसरशाही का इतिहास देखते हुए उन्हें क्रियान्वित करके धरातल पर उतारना सरकार की मुख्य चुनौती होगी। हमारी दूसरी ताकत है हमारी सदियों पुरानी चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिस देश में इस पूर्णतः वैज्ञानिक चिकित्सा पद्धति का उद्भव हुआ उसी देश में उसे यथोचित सम्मानजनक स्थान नहीं मिल पाया। लेकिन वर्तमान कोरोना काल में इसने समूचे विश्व को अपनी ओर आकर्षित किया है। इस मौके का सदुपयोग कर आयुर्वेद की दवाइयों पर सरकार अनुसंधान को बढ़ावा देकर आयुर्वेदिक दवाओं को एक नए और आधुनिक स्वरूप में विश्व के सामने प्रस्तुत करने के लिए वैज्ञानिकों को प्रोत्साहित करे। इसी प्रकार आज जब पूरा विश्व प्लास्टिक के विकल्प ढूंढ रहा है तो हम पत्तों के दोने पत्तल बनाने के लघु उद्योगों को बढ़ावा देकर उनकी निर्यात योग्य क्वालिटी बनाकर ग्रामीण रोजगार और देश की अर्थव्यवस्था दोनों को मजबूती दे सकते हैं। हमारी भौगोलिक और सांस्कृतिक विरासत भी हमारी ताकत है। दरअसल हर राज्य की सांस्कृतिक और भौगोलिक तौर पर अपनी विशेषता है। ह्य कुदरत ने जितनी नेमत इस धरती पर बख्शी है उतनी शायद और किसी देश पर नहीं। अभी हमारे देश में विदेशी अधिकतर भारतीय आध्यात्म से प्रेरित होकर शांति की खोज में आते हैं लेकिन अगर हम अपने देश के विभिन्न राज्यों को एक टूरिस्ट स्पॉट की तरह दुनिया के सामने प्रस्तुत करने के लिए आवश्यक कदम उठाएं तो हमारी धरती ही हमारी सबसे बड़ी ताकत बन जाएगी। यह सभी उपाय अपने साथ देश में विदेशी मुद्रा भंडार और रोजगार दोनों के अवसर साथ लेकर आएंगे। अब बात करते हैं कमजोरियों की। तो हमारा सबसे कमजोर पक्ष है साइंस और टेक्नोलॉजी। आज के इस वैज्ञानिक युग में इस पक्ष को नजरअंदाज करके विश्वगुरु बनने की बात करना बेमानी है। विश्व के किसी भी ताकतवर देश को देखें उसने विज्ञान और टेक्नोलॉजी के दम पर ही उस ताकत को हासिल किया है चाहे वो जापान चीन रूस अमेरिका कोई भी देश हो। हम दावे जो भी करें हकीकत यह है कि भारत इस क्षेत्र में इन देशों के मुकाबले बहुत पीछे है। हाँ यह सही है कि पिछले तीन चार सालों में हम कुछ कदम आगे बढ़े हैं लेकिन इन देशों से अभी भी हमारा फासला काफी है। इसलिए आवश्यक है कि भारत में वैज्ञानिक अनुसंधानों और वैज्ञानिकों दोनों को प्रोत्साहन दिया जाए टेक्नोलॉजी पर रिसर्च को फोकस किया जाए। शिक्षा नीति में ठोस बदलाव किए जाएं ताकि कॉलेज से निकलने वाले युवाओं के हाथों में खोखली डिग्रीयों के बजाए उनके दिलों में कुछ कर गुजरने का जज्बा हो। उनकी रुचि रिसर्च अनुसंधान खोज करने की ओर बढ़े और हमें अधिक से अधिक प्रतिभावान युवा वैज्ञानिक मिलें। और यह तभी संभव होगा जब हमारे देश के योग्यता से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

जब प्रतिभावान युवा आरक्षण एवं भ्रष्टाचार के चलते अवसर ना मिल पाने के कारण विदेशों में चले जाने को मजबूर नहीं होंगे।, दूसरे शब्दों में हमारा देश जिस ब्रेन ड्रेनेज का शिकार होता आया है उसे रोकना होगा। ताकि हम भविष्य के सुंदर पचाई और सत्या नडेला जैसे युवाओं को भारत में रोक सकें। आज से अगर हम इन दिशाओं में सोचेंगे तो कम से कम पांच छ सालों में हम अपनी कमजोरियों पर विजय प्राप्त कर के आत्मनिर्भर भारत का स्वप्न साकार कर पाएंगे।

ज्ञान गंगा

प्रणिधान

श्रीराम शर्मा आचार्य

प्रणिधान का अर्थ है-धारण करना, स्थापित करना। ईश्वर प्रणिधान अर्थात ईश्वर को धारण करना, ईश्वर को स्थापित करना। परमात्मा हमारे हृदयों में विराजमान है। गीता कहती है-ईश्वरः सर्वभूतानां हृद्देशेऽर्जुन तिष्ठति। अर्थात हे अर्जुन! ईश्वर सब प्राणियों के हृदय में बैठा हुआ है। सर्वव्यापक परमात्मा हर एक के रोम-रोम में रम रहा है। फिर भी मनुष्य उसे भूला हुआ है। कहने को तो लोग ईश्वर को जानते भी हैं और मानते भी हैं, पर व्यवहार में उसका एक प्रकार से बहिष्कार ही कर देते हैं। पुलिस सर्वव्यापक नहीं है, तो भी उससे जितना डरते हैं उतना ईश्वर से नहीं डरते। अमीरों में उतनी उदारता नहीं होती, तो भी अमीरों या अफसरों का जितना आदर करते हैं, उतना ईश्वर का नहीं करते। स्त्री का प्यार सच्चा और स्थायी नहीं होता, तो भी जितना प्यार अपनी स्त्री से करते हैं उतना ईश्वर से नहीं करते। बेटे के ब्याह में जितना खर्च कर देते हैं उससे चौथाई भी ईश्वर के निमित्त नहीं लगाते। यदि सच्चाई के साथ देखा जाए तो ईश्वर को एक बहुत ही गौण स्थान दिया जाता है। या तो धन, सम्पदा, बेटा, पोता, जीत, स्वास्थ्य, विद्या, बुद्धि, स्वर्ग, मुक्ति आदि प्राप्त करने के लिए ईश्वर को टटोलते हैं या कोई विपत्ति आ जाने पर छुटकारे के लिए उसे पुकारते हैं। अध्यात्म विद्या का जो लोग शोध कर रहे हैं, राजयोग की साधना के लिए यम-नियमों की जो साधना करना चाहते हैं, उन्हें ईश्वर प्रणिधान का तत्त्वज्ञान भली प्रकार समझना होगा और बुद्धिपूर्वक उस पर आरूढ़ होना होगा। योग के आठ अंगों में से द्वितीय अंग नियम का पांचवां नियम ईश्वर पूजा नहीं वरन ईश्वर प्रणिधान है। परमात्मा की हृदय में स्थापना करना, उसे हर घड़ी अपने साथ देखना, रोम-रोम में उसका व्यापकत्व अनुभव करना यह ईश्वर प्रणिधान का चिह्न है। मंदिर में मूर्ति की स्थापना की जाती है तो उसकी पूजा के लिए पुजारी नियत करना पड़ता है जो यथासमय सारी पूजापत्री किया करे। पुजारी अन्य कार्य भी करता है, पर प्रतिमा के भोग, स्नान, शयन, आरती आदि का ध्यान विशेष सावधानी के साथ रखता है। ईश्वर प्रणिधान में ईश्वर की प्रतिमा का हृदय में, अंतःकरण में स्थापित करनी होती है और उसे चौबीस घण्टे का साथी बनाना पड़ता है। पुजारी का प्रधान कार्य प्रतिमा की पूजा है।

उनकी मुस्कराहटों में अपनी रिहाई देखता हूं

पेरा बैरेट, रैपर, लेखक, समाजसेवी

आंख खुली, तो चारों तरफ से उन्हें नर्सें घेरे खड़ी थीं। वह घबराकर उठ बैठे। बहुत मुश्किल से आवाज निकल पाई, 'मुझे क्या हुआ?' कुछ दूर खड़ी एक नर्स तेजी से उनकी ओर लपकी और बेहद नरम लहजे में उनसे कहा, 'आपकी कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। पिछले तीन दिनों से आप बेहोश थे।' 21 साल के पेरा बैरेट की चेतना जैसे फिर से शून्य होने लगी। नर्स ने स्नेह से सहारा देकर बिस्तर पर लेटा दिया था। बैरेट कुछ और नहीं सुनना चाहते थे। मगर उनके साथ जो हो चुका था, उसका सामना भी उन्हें ही करना था। अगली सुबह डॉक्टर ने पेशेवर ईमानदारी बरतते हुए बैरेट को सब कुछ बता दिया- 'आपके सिर में गंभीर चोटें आई हैं। जांघों व पैर की हड्डियां टूट गई हैं और आपका जबड़ा भी सलामत नहीं बचा। कम से कम चार महीने तक व्हील चेयर पर रहना पड़ेगा।' हजारों सपनों वाली उम्र में बैरेट को कुछ ऐसा महसूस हुआ, जैसे किसी ने बड़ी बेरहमी से सारे ख्वाब चूर-चूर कर दिए हैं। बैरेट को सिर्फ इतना याद था कि वह ओटाकी (न्यूजीलैंड) में स्टेट हाईवे-1 पर ड्राइव कर रहे थे और उनकी कार सेंटर लाइन को पार करके दूसरी तरफ से आने वाली वैन से टकरा गई थी। जिस्मानी दर्द को तो डॉक्टरों, नर्सों और दवाओं ने काफी हद तक कम कर दिया था, मगर पुलिस जो आकर सुना गई थी, वह बेहद डरावनी बात थी। जिस वैन को बैरेट ने टक्कर मारी थी, उसमें सवार बुजुर्ग महिला ने मौके पर ही दम तोड़ दिया था। पुलिस और कानून की निगाह में यह गैर-इरादतन हत्या कही जाती है। बैरेट स्तब्ध थे- 'मैंने किसी से उसकी जिंदगी छीन ली!' हालांकि, उन्हें बिल्कुल नहीं पता कि उनका संतुलन कैसे बिगड़ा? न तो उनकी स्पीड बहुत ज्यादा थी और न ही उन्होंने शराब पी रखी थी। मगर जो घट चुका था, उसकी पीड़ा असह्य थी। अस्पताल के बिस्तर पर पड़े-पड़े वह दुखी होते रहते कि उनके कारण किसी की मौत हो गई। उनकी सुकून की नींद उड़ चुकी थी। बार-बार यही सोचते, वह महिला ही क्यों, मैं क्यों नहीं?

दो हफ्ते अस्पताल में बिताने के बाद बैरेट घर चले आए, मगर एक बेचैनी भी साथ-साथ चली आई थी। मां-पापा, दोनों तसल्ली देते, मगर वह ऊपरी मरहम का काम करता, अंदर जो कुछ दरक गया था, उससे वेदना का बहाव रुकने का नाम ही नहीं ले रहा था। अंततः वह दिन भी आया, जब बैरेट को उस महिला के परिजनों के सामने खड़ा होना था। वह काफी बेचैन थे कि कैसे उन सबकी निगाहों का सामना करेंगे? जज साहब ने पेरा बैरेट की जिंदगी के पिछले पन्ने पलटे। ओटाकी नदी के किनारे पैदा हुए बैरेट का बचपन सुरम्य कुदरती माहौल में बीता था। नदी, पहाड़, समुद्र तट और मैदान उनके छुटपन से साथी रहे, हालांकि एक दुख भी उसके साथ पैबस्त रहा। बैरेट जिस स्कूल में पढ़ने गए, वहां दो बड़ी बहनों के स्मारक से उनका सामना हुआ। छह और आठ वर्ष की वे दोनों बहनें बैरेट के जन्म से एक साल पूर्व ही कैपिटी द्वीप के तट पर डूब गई थीं। इस तरह, वह अपनी दिवंगत बहनों से जुड़े किस्सों के साथ एक संजीदा बच्चे के रूप में बड़े हुए।

बैरेट के पिता के पास बहुत पैसे नहीं थे, फिर भी उन्होंने अपने भाइयों की तरह ड्रग्स बेचने या लूटमार का गलत रास्ता नहीं चुना, बल्कि मेहनत-मशक्कत करके अपने बच्चों की परवरिश की। बैरेट ने भी पिता का मान रखा। पढ़ाई में खूब मेहनत की। बचपन से रैपर बनने का ख्वाब देखने वाले

बैरेट ने स्कूली जिंदगी में एक एल्बम भी रिकॉर्ड कर लिया था। फिर वह उच्च शिक्षा के लिए विक्टोरिया यूनिवर्सिटी, वेलिंगटन आ गए थे। यूनिवर्सिटी में वह आखिरी साल था और उनके हाथों यह हादसा हो गया था। जज ने अपना फैसला सुनाया- 'बैरेट, अदालत मानती है कि वह एक दुर्घटना ही थी। और तुमने जो किया है, उसके साथ शेष जीवन जीना ही तुम्हारी सजा है।' इस रिहाई ने बैरेट की जिंदगी बदल दी। वह हादसा तो ताउम्र साथ रहने वाला था। उन्होंने संगीत और लेखन में अपने ख्यालों को पिरोना शुरू किया। फिर उनकी मुलाकात डैनिएल से हुई। उन्होंने उनके साथ अपना गुजरा कल साझा किया। सांत्वना और प्रेम लिए डैनिएल उनकी जिंदगी में शामिल हो गईं। दोनों दो बच्चों के माता-पिता भी बने। मगर बैरेट जिंदगी का असली मोल समझ चुके थे। उन्हें दूसरों की खुशियों में जीना था। एक दिन उन्होंने अपने किसी दोस्त के मुंह से सुना कि वह ऑकलैंड में जरूरतमंद बच्चों को क्रिसमस गिफ्ट देने में मदद कर रहा है। यह बात दिल को छू गई। उन्होंने पत्नी और अपने बैंक के साथियों से मदद मांगी, सब हंसी-खुशी साथ हो लिए। अब वह हरेक साल हजारों गरीब बच्चों को सांता क्लॉज बनकर क्रिसमस गिफ्ट बांटते हैं। वह एक व्यक्ति से एक बच्चे के लिए उपहार हासिल करते हैं, वॉलंटियर्स की मदद से उसे पैक करते हैं और फिर बच्चों तक पहुंचाते हैं। पिछले साल करीब पांच हजार बच्चों को उन्होंने खुशियां बांटीं। अब तो लोग उन्हें 'पेरा क्लॉज' कहने लगे हैं। वर्ष 2019 में उन्हें 'न्यूजीलैंड लोकल हीरो ऑफ द ईयर' से सम्मानित किया गया।

प्रस्तुति :- चंद्रकांत सिंह

आज का राशिफल

मेष आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

वृषभ पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रुपये पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। ससुराल पक्ष से तनाव मिलेगा।

मिथुन जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव मिल सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

कर्क आर्थिक योजना फलीभूत होगी। धन पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। अनावश्यक व्यय से मन अशान्त रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

सिंह राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। व्यवसायिक व पारिवारिक योजना सफल रहेगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रियजन भेंट संभव।

कन्या संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। व्यर्थ की भागदौड़ भी रहेगी।

तुला जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। आमोद-प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

वृश्चिक व्यावसायिक योजना सफल होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव मिल सकता है। विरोधियों का पराभव होगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा।

कुम्भ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शासन सत्ता से तनाव मिलेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। खान-पान में संयम रखें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

सरकार ने एयर इंडिया के लिये बोली लगाने की समयसीमा दो महीने बढ़ाकर 31 अगस्त तक की

नयी दिल्ली। सरकार ने कोरोना वायरस महामारी के कारण दुनिया भर में आर्थिक गतिविधियों के बाधित हो जाने को देखते हुए एयर इंडिया के लिये बोली लगाने की समय सीमा को फिर से दो महीने के लिये बढ़ाकर 31 अगस्त कर दिया है। सरकारी विमानन कंपनी एयर इंडिया के विनिवेश की प्रक्रिया 27 जनवरी को शुरू की गयी थी। निवेश एवं सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) ने एयर इंडिया की बिक्री से संबंधित रूचिपत्र में एक बदलाव जारी करते हुए कहा कि कोरोना वायरस महामारी के कारण उत्पन्न परिस्थितियों को देखते हुए संभावित बोलीदाताओं से प्राप्त अनुरोधों के आधार पर समयसीमा बढ़ायी गयी है। जनवरी में जब पहली बार एयर इंडिया की बिक्री को लेकर रूचिपत्र जारी किया गया था, तब बोली लगाने की समयसीमा मार्च तक की रखी गयी थी। इसे बाद में 30 अप्रैल तक और फिर 30 जून तक बढ़ा दिया गया था। अब इसे 31 अगस्त तक बढ़ा दिया गया है। दीपम ने अपनी वेबसाइट पर डाले गये संशोधन में बताया कि इसके अलावा, अर्हताप्राप्त इच्छुक बोलीदाताओं को सूचित करने की तारीख को भी दो महीने के लिये बढ़ाकर 14 सितंबर तक कर दिया गया है। उसने कहा, ''यदि महत्वपूर्ण तारीखों को लेकर आगे कोई बदलाव किया जाता है तो इच्छुक बोलीदाताओं को उस बारे में सूचित कर दिया जायेगा।'' उल्लेखनीय है कि कोरोना वायरस महामारी और उसके बाद लॉकडाउन ने वैश्विक स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को बाधित किया है। विमानन क्षेत्र को कोरोना वायरस महामारी की अधिक मार झेलनी पड़ रही है। विमानन कंपनियों ने उड़ानों को रद्द कर दिया है और कर्मचारियों के वेतन में कटौती की घोषणा की है। सरकार इससे पहले भारत पेट्रोलियम कॉर्प लिमिटेड (बीपीसीएल) में अपनी पूरी 52.98 प्रतिशत हिस्सेदारी के लिये बोली लगाने के लिये निवेशकों को दिये गये समय को बढ़ाकर 31 जुलाई कर दिया है। इसकी शुरुआती समय सीमा दो मई तक थी, जिसे पहले 13 जून तक बढ़ा दिया गया था।

उपभोक्ता सेवाओं में 20 हजार लोगों को अस्थायी आधार पर नौकरी देगी अमेजन इंडिया

नयी दिल्ली। ई-वाणिज्य कंपनी अमेजन इंडिया ने रविवार को कहा कि वह भारत औी अन्य देशों में उपभोक्ताओं की मदद के लिये ग्राहक सेवा संगठन में 20 हजार लोगों को अस्थायी आधार पर नौकरियां देने जा रही है। कंपनी ने कहा कि ये नियुक्तियां उपभोक्ताओं की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिये की जा रही हैं। अगले छह महीनों में हैदराबाद, पुणे, कोयम्बटूर, नोएडा, कोलकाता, जयपुर, चंडीगढ़, मंगलुरु, इंदौर, भोपाल और लखनऊ में ये नियुक्तियां की जायेंगी। कंपनी ने एक बयान में कहा कि अधिकांश पद अमेजन के वर्चुअल ग्राहक सेवा कार्यक्रम का हिस्सा हैं। इसके तहत घर से काम करने की सुविधा दी जाती है। इनके लिये न्यूनतम शैक्षणिक अहर्ता 12वीं कक्षा उत्तीर्ण होगी और अंग्रजी, हिंदी, तमिल, तेलुगु या कन्नड़ में दक्षता की आवश्यकता होगी। ये लोग ई-मेल, चैट, सोशल मीडिया और फोन के माध्यम से उपभोक्ताओं को सेवाएं देंगे। अमेजन इंडिया के निदेशक (उपभोक्ता सेवा) अक्षय प्रभु ने कहा, हम लगातार उपभोक्ताओं की बढ़ती मांग को लेकर ग्राहक सेवा संगठन की जरूरतों को पूरा करने के लिये मूल्यांकन कर रहे हैं। हमारा अनुमान है कि अगले छह महीनों में ग्राहकों की संख्या बढ़ेगी।

एसी ट्रेनों में ऑपरेशन थिएटरों की तरह मिलेगी ताजी हवा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

रेलवे की वातानुकूलित ट्रेनों की बोगियों में अब ऑपरेशन थिएटरों की तरह ताजा हवा मिलेगी जिससे संक्रमण के फैलने के खतरे को कम किया जा सके। अधिकारियों ने बताया कि रेलवे द्वारा राजधानी मार्गों पर 12 मई से चलाई जा रही आने-जाने वाली 15 एसी ट्रेनों में यह प्रयोग शुरू किया गया है। यह कोविड-19 के बाद के हालात में ट्रेनों के संचालन की रेलवे की तैयारियों का हिस्सा है। अधिकारियों ने कहा, भारतीय रेलवे की वातानुकूलित बोगियों में लगे रूफ माउंटेड एसी पैकेज (आरएमपीयू) प्रतिघंटे 16-18 बार से ज्यादा हवा को बदलते हैं जैसा कि ऑपरेशन थियेटरों में होता है। पहले इन वातानुकूलित ट्रेनों में प्रतिघंटे छह से आठ बार हवा बदलती थी और डिब्बे में छोड़ी जाने वाली 80 प्रतिशत हवा पुनः परिचालित हवा होती थी जबकि 20 प्रतिशत ही ताजी हवा होती थी। हवा में बदलाव की संख्या बढ़ने के साथ हालांकि ऊर्जा की खपत में भी 10 से 15 प्रतिशत का इजाफा होगा। एक अधिकारी ने बताया, ''यात्रियों की सुरक्षा के लिए यह कीमत अदा करनी होगी। यह नया तौर तरीका है। एसी जिस तरीके से काम करता है उसमें वह पुनः परिचालित यानी सर्कुलेटेड हवा का इस्तेमाल करता है ताकि बोगी जल्दी ठंडी हो। जब हम ताजा हवा का इस्तेमाल करेंगे तो ठंडा होने में थोड़ा ज्यादा वक्त लगेगा इसलिए ऊर्जा की अतिरिक्त खपत होगी। रेलवे ने सेंट्रलाइज्ड एसी का तापमान भी सामान्य 23 डिग्री सेल्सियस से बढ़कार 25 डिग्री सेल्सियस कर दिया है क्योंकि अब यात्रियों को चादरें उपलब्ध नहीं कराई जाएंगी। अधिकारियों ने बताया कि स्वास्थ्य विशेषज्ञों की सलाह पर रेलवे ने कोरोना वायरस के हल्के मामलों के लिए पृथक बोगियों के तौर पर अपनी गैर-एसी वाली बोगियों में सुधार किया है। उन्होंने इस बीमारी को फैलने से रोकने के लिए विशेष राजधानी ट्रेनों पर एसी यूनिटों में भी बदलाव करने के स्वास्थ्य मंत्रालय के दिशा निर्देशों को लागू किया है। अभी तक चीनी शोधकर्ताओं के केवल एक अध्ययन में ही वातानुकूलित वायु संचार से ही मुंह की लार की छीटों के फैलने का निष्कर्ष निकला है। बाकी अन्य अध्ययनों में एसी के इस्तेमाल से कोरोना वायरस के प्रसार की बात नहीं है।

चालू वित्त वर्ष में गैर-मुख्य परिसंपत्तियों को बेचने की योजना नहीं: पीएनबी प्रमुख

नयी दिल्ली। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के प्रबंध निदेशक एस एस मल्लिकार्जुन राव ने कहा है कि चालू वित्त वर्ष के दौरान उसकी सहायक इकाइयों सहित गैर-मुख्य परिसंपत्तियों को बेचने की कोई योजना नहीं है। उन्होंने पीटीआई-भाषा से एक साक्षात्कार के दौरान कहा, ''हालांकि, बैंक अपनी कुछ रीयल एस्टेट परिसंपत्तियों को बेचना चाहता है, जिसमें उसका पुराना मुख्यालय भवन शामिल है।'' उन्होंने कहा, ''विलय के कारण हमारे पास बहुत सारी अचल संपत्तियां हैं। हम उनमें से कुछ को बेचने की योजना बना रहे हैं। हम तीसरी तिमाही के अंत तक इनमें से काफी परिसंपत्तियों को बेचने की योजना बना रहे हैं, बशर्ते बाजार उपलब्ध हो। हम कम कीमत पर नहीं बेचेंगे।'' पीएनबी की कई सहयोगी कंपनियां हैं, जैसे पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड में उसकी 32.65 प्रतिशत हिस्सेदारी है और पीएनबी मेटलाइफ में 30 प्रतिशत शेयर हैं। पीएनबी के साथ ओरियंटल बैंक ऑफ कॉमर्स (ओबीसी) के विलय के बाद एक अप्रैल से उसकी सहायक इकाइयों की संख्या बढ़ गई है और इसमें केनरा एचएसबीसी ओबीसी लाइफ इंश्योरेंस भी शामिल हैं। राव ने कहा कि भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (इरडा) ने पीएनबी को दोनों कंपनियों को जारी रखने की अनुमति दे दी है ।

सरकार ने जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड में सड़क निर्माण के लिए अतिरिक्त 1,691 करोड़ रुपये मंजूर किए

नयी दिल्ली। सरकार ने जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड में 2020-21 के दौरान सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) द्वारा राजमार्गों के निर्माण के लिए अतिरिक्त 1,691 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है । सीमा सड़क विकास बोर्ड (बीआरडीबी) के महानिदेशक सीमा सड़क विकास बोर्ड (बीआरडीबी) के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल हरपाल सिंह ने एक संवाद में कहा कि सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने इसमें से 1,351.10 करोड़ रुपये जम्मू-कश्मीर में सड़क कार्यों के लिए बीआरओ को दिए हैं। उत्तराखंड में राष्ट्रीय राजमार्गों के लिए कुल 340 करोड़ रुपये को मंजूरी दी गई है। इसके अलावा जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, सिक्किम और तमिलनाडु में राज्य लोक निर्माण विभाग द्वारा राजमार्ग कार्यों के लिए 71 करोड़ रुपये की अतिरिक्त मंजूरी दी गई है। इस संवाद में कहा गया है कि आदिवासी उप-योजना (टीएसपी) के तहत नगालैंड के लिए मंजूरी की सीमा को 1,081 करोड़ से बढ़ाकर 1,955 करोड़ रुपये कर दिया गया है। इस संवाद में कहा गया है कि आदिवासी उप-योजना (टीएसपी) के तहत नगालैंड के लिए मंजूरी की सीमा को 1,081 करोड़ से बढ़ाकर 1,955 करोड़ रुपये कर दिया गया है।

मारुति के चेयरमैन ने कहा, चीन से आयात रोकने को भारतीय विनिर्माण को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाना होगा

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

मारुति सुजुकी के चेयरमैन आर सी भार्गव ने कहा है कि चीन के सामान के बहिष्कार के लिए भारतीय विनिर्माण को अधिक प्रतिस्पर्धी, गहरा और व्यापक बनाने की जरूरत है। हालांकि, इसके साथ ही उन्होंने कहा कि लोगों को यह ध्यान रखने की जरूरत है कि चीनी माल के बहिष्कार के चलते उन्हें उत्पादों के लिए अधिक कीमत चुकानी होगी। भार्गव ने कहा कि लंबे समय तक आयात करना वास्तव में किसी के व्यावसायिक हित में नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि कुछ उत्पादों का आयात जारी रहेगा, क्योंकि इस मामले में हमारे पास सीमित विकल्प हैं। या तो ऐसे उत्पाद भारत में उपलब्ध नहीं हैं, या फिर उनकी गुणवत्ता या कीमत का मुद्दा है। देश की सबसे बड़ी कार कंपनी के प्रमुख ने पीटीआई-भाषा से साक्षात्कार में कहा, ''हर कोई जानता है कि एक समय के बाद उत्पादों का आयात रुपये के कमजोर होने से महंगा होता जाता है। यदि दस साल पहले आप कोई सामान मंगा रहे थे, तो आज आपको वह 60 से 70 प्रतिशत महंगा मिलेगा।'' भार्गव ने कहा, ''ऐसे में आयात करना किसी के व्यावसायिक हित में नहीं है। आप तभी आयात करते हैं, जबकि आपके पास सीमित विकल्प हों।'' उन्होंने कहा कि अभी जो भावना चल रही है उन सभी का जवाब यही है कि आप भारतीय विनिर्माण को अधिक प्रतिस्पर्धी, गहरा और व्यापक बनाएं। ''प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'आत्मनिर्भर' की जो बात की है, उसका आशय इसी से है। यदि आप भारत में प्रतिस्पर्धी मूल्य पर सामान का उत्पादन करते हैं, तो लोग उनका आयात नहीं करेंगे।'' यह पूछे जाने पर कि लद्दाख सीमा पर भारत-चीन तनाव की वजह से चीनी आयात के खिलाफ जो आवाजें उठ रही हैं उनसे वाहन और अन्य क्षेत्रों की कंपनियां चिंतित हैं, भार्गव ने कहा कि सीमा पर जो हुआ है उसको लेकर यह स्वाभाविक प्रतिक्रिया है। पाकिस्तान के मामले में भी ऐसा हुआ था। यह नीति नहीं बन जाता। मुझे लगता है कि नीति-निर्माता कोई नीति बनाने या हटाने से पहले सावधानी से विचार करते हैं। वे भावनाओं के हिसाब से प्रतिक्रिया नहीं देते। उन्होंने भारत में उद्योगों द्वारा आयात करने की वजह बताते हुए कहा, ''या तो वह उत्पाद भारत में बनता नहीं है, उपलब्ध नहीं है। या फिर उपलब्ध है भी, तो उसकी गुणवत्ता अच्छी नहीं है। वह काफी महंगा है।'' आयात रोकने से भारत को फायदा होगा या नुकसान, इस सवाल पर भार्गव ने कहा, ''यदि गैरजरूरी सामान है, तो हमें नुकसान नहीं होगा। लेकिन यदि किसी आवश्यक सामान का आयात रोका जाता है, तो इससे हमें चीन से अधिक नुकसान होगा। तो इससे हमें चीन से अधिक नुकसान होगा। आपको देखना होगा कि क्या आयात किया जा रहा है। यह हमारे उद्योग के लिए कितना जरूरी है। क्या आयात रोकने से हमें फायदा होगा, या नुकसान।''

गोदरेज अप्लायंसेज की बिक्री कोविड-19 से पूर्व स्तर पर पहुंची

नयी दिल्ली। गोदरेज अप्लायंसेज की बिक्री कोविड-19 से पहले के स्तर पर पहुंच गई है। कंपनी को उम्मीद है कि वह सितंबर के अंत तक अपनी पूरी विनिर्माण क्षमता पर काम करने लगेगी। गोदरेज अप्लायंसेज के कारोबार प्रमुख और कार्यकारी उपाध्यक्ष कमल नंदी ने कहा कि कंपनी को सितंबर तक त्योहारी सीजन से पहले अपनी अधिकतम विनिर्माण क्षमता हासिल करने की उम्मीद है। अब कंपनी की बिक्री में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है। हालांकि, कंपनी का अनुमान है कि उद्योग की वृद्धि में गिरावट आएगी, क्योंकि पूरे अप्रैल में और मई के आधे महीने में लॉकडाउन की वजह बिक्री बुरी तरह प्रभावित हुई है। इन महीनों में ही 'कूलिंग' उत्पादों की बिक्री सबसे अधिक रहती है। नंदी ने कहा,, ''सितंबर तक त्योहारी सीजन से पहले हम अपनी 100 प्रतिशत विनिर्माण क्षमता पर परिचालन करेंगे।'' गोदरेज समूह की कंपनी के विनिर्माण संयंत्र सिरवल, पुणे और पंजाब के मोहाली में है। उसकी रेफ्रिजरेटर उत्पादन की अधिक क्षमता 2.9 लाख इकाई की है। नंदी ने कहा कि लॉकडाउन की वजह से शुरुआत में हमें अपने संयंत्र बंद रखने पड़े। मई में हमने संयंत्रों को खोला लेकिन डीलरों तथा हमारे खुद के भंडार गृह में पर्याप्त स्टॉक था। ऐसे में मई में हमने सिर्फ अपनी 20 प्रतिशत उत्पादन क्षमता पर काम किया। उन्होंने कहा कि जून से उत्पादन फिर बढ़ना शुरू हुआ। फिलहाल हमारे 95 प्रतिशत आउटलेट्स खुल चुके हैं।

पटरी पर लौट रही जिंदगी, अनलॉक 2.0 के लिए तैयार टेक स्टार्टअप

बिजनेस डेस्क (एजेंसी)।

कोरोना वायरस के संक्रमण में हो रही बढोतरी के बावजूद अनलॉक 1.0 के दौरान देश में देश में धीरे-धीरे लेकिन मजबूती से नई सामान्य स्थिति लौट रही है और अनलॉक 2.0 के लिए तैयार हो रहे हैं। ऐसे में कई तकनीकी स्टार्टअप भी नए तकनीकी इनोवेशंस तैयार और शुरुआत कर रहे हैं जो इस वायरस के संक्रमण को सीमित करने में मदद कर सकते हैं। अनलॉक 2.0 की तैयारी के बीच कुछ टेक स्टार्टअप अनोखे समाधान पेश कर रहे हैं जिनमें कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग सॉल्यूशंस, इनडोर एयर प्यूरीफिकेशन और टेक पावड 'पार्किंग सॉल्यूशंस का संयोजन है। मैग्नेटो क्लीनटेक ने एयर सैनिटाइजेशन सॉल्युशन पेश किया है ताकि हवा से कोविड-19 का संचार न हो सके। मैग्नेटो का एडवांस सेंट्रल एयर क्लीनर कोविड-19 के प्रसार को रोकने में मदद करता है। कंपनी का कहना है कि हवा के शुद्धिकरण के मानकों को बनाए रखने के लिए अत्याधुनिक मैग्नेटो सेंट्रल एयर क्लीनर का एक अत्याधुनिक संस्करण लॉन्च किया गया है। यह फिल्टरलेस मैग्निटेक एयर प्यूरीफिकेशन (एफएमएपी) और अल्ट्रावायलेट (यूवीजीआई) तकनीक से सह-संचालित है। ट्रैप एंड किल प्रोसेस पर आधारित यह एयर फिल्ट्रेशन सिस्टम एंटी-माइक्रोबियल यूवी-सी किरणों को जोड़ती है जो हवा में होने वाले वायरस और संक्रमणों को 90 फीसदी से अधिक नष्ट कर उन्हें बढ़ने से रोकते हैं और घर के अंदर हवा को स्वच्छ बनाते हैं। गुड़गांव के स्टार्टअप स्टैक्यू ने कोविड-19 के खिलाफ बेहतर प्रतिक्रिया की सुविधा पेश करने के लिए एक रेंज की घोषणा की है। ब्रांड अपने स्वामित्व वाले वीडियो एनालिटिक्स प्लेटफॉर्म जार्विस का लाभ उठाता है, जो कोविड-19 के खतरों को पहचानने, ट्रेस करने, और उन्हें सीमित करने के उद्देश्य से उपयोग के लिए उपलब्ध कराया गया है।

कोविड-19 के बाद की नई सामान्य स्थिति में वीडियो एनालिटिक्स सभी अनुपालन और दिशानिर्देशों की निगरानी का एकमात्र तरीका है। कोविड-19 के बाद की नई सामान्य स्थिति में वीडियो एनालिटिक्स सभी अनुपालन और दिशानिर्देशों की निगरानी का एकमात्र तरीका है। इसमें कोविड-19 की पहचान, सस्पेक्ट ट्रैसिंग, पीपीई मॉनिटरिंग, सिक्योरिटी, सेफ्टी और हाइजिन एनालिटक्स और पीपल एनालिटिक्स शामिल हैं। स्मार्ट पार्किंग स्टार्ट-अप ने मॉल के लिए एक तकनीकी-संचालित सोशल डिस्टेंसिंग समाधान पेश किया है। नए लॉन्च किए गए समाधानों का उद्देश्य मॉल फिर से खोलने के लिए तैयारी करने और अधिकतम सुरक्षा सुनिश्चित करना है। यह ऐप मॉलकर्मियों को ग्राहकों के साथ-साथ ट्रैक और शरीर का तापमान स्कैन करने में सक्षम करेगा। यह ऐप ग्राहकों को एक दुकान में प्रवेश करने या बाहर निकलने से पहले क्यूआर कोड स्कैन करने में सक्षम करेगा, जो प्रत्येक दुकान में फुटफॉल की संख्या पर रियलटाइम निगरानी में मदद करेगा।

सीजी पावर एंड इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस को चौथी तिमाही में 288 करोड़ रुपये का घाटा

नयी दिल्ली। सीजी पावर एंड इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस को बीते वित्त वर्ष 2019-20 की चौथी तिमाही में 288.06 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध घाटा हुआ है। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी को 189.23 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कंपनी ने कहा कि तिमाही के दौरान उसकी कुल आय घटकर 636.67 करोड़ रुपये रह गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 2,005.84 करोड़ रुपये रही थी। पूरे वित्त वर्ष 2019-20 में कंपनी का एकीकृत शुद्ध घाटा बढ़कर 2,166.94 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, वित्त वर्ष के दौरान कंपनी की कुल आय घटकर 5,158.01 करोड़ रुपये रह गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 8,048.82 करोड़ रुपये रही थी। जो इससे पिछले वित्त वर्ष 2018-19 में 507.13 करोड़ रुपये रहा था। वित्त वर्ष के दौरान कंपनी की कुल आय घटकर 5,158.01 करोड़ रुपये रह गईजो इससे पिछले वित्त वर्ष में 8,048.82 करोड़ रुपये रही थी। , जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 8,048.82 करोड़ रुपये रही थी। कंपनी ने कहा कि कोविड-19 को लेकर अभी अनिश्चितता की स्थिति है।

ऊर्जा मंत्रालय ने जारी किए निर्देश, चीन से बिजली उपकरणों के आयात के लिए लेनी होगी पहले मंजूरी

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

चीन के साथ सीमा टकराव के बीच केंद्रीय बिजली मंत्रालय ने विद्युत प्रणाली की सुरक्षा को अधिक चाक-चौबंद करने के लिये इसमें देश में विनिर्मित उपकरणों के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के साथ अब चीन जैसे पड़ोसी देशों से बिजली उपकरण आयात करने से पहले उसकी मंजूरी लेना अनिवार्य करने का निर्णय किया है। मंत्रालय का यह भी निर्णय है कि आयातित बिजली उपकरणों की साइबर सुरक्षा की दृष्टि से भारत की प्रयोगशालाओं में कड़ाई से जांच होगी। इसके साथ ही बिजली पारेषण और अन्य संबंधित प्रणालियों पर साइबर हमलों के खिलाफ निगरानी और उससे बचाव की रणनीति तैयार करने के लिये केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) के अंतर्गत एक समिति भी बनायी गयी है। बिजली और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री आर के सिंह ने 'भाषा' के साथ विशेष बातचीत में कहा, ''बिजली रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण और संवेदनशील क्षेत्र है। बिजली क्षेत्र को अगर नुकसान पहुंचाया जाता है तो देश में विकास का पहिया बिल्कुल ठप हो जाएगा। इसका कारण रक्षा समेत सभी उद्योगों और संचार व्यवस्था तथा डेटा बेस के लिये बिजली चाहिए। आप 12 से 24 घंटे के लिये वैकल्पिक व्यवस्था कर सकते हैं लेकिन उसके बाद बिजली चाहिए।'' उन्होंने कहा, '' इसको ध्यान में रखते हुए हमने कदम उठाना शुरू कर दिया है। हमने निर्णय किया है कि देश में जो भी बिजली उपकरण बन रहे हैं, उद्योग यहीं से ले। और जिन उपकरणों का यहां विनिर्माण नहीं होता, हम उसके लिये दो-तीन साल में विनिर्माण ढांचा तैयार करेंगे। इस बीच उन उपकरणों के आयात की मंजूरी होगी।'' मंत्री ने कहा,''लेकिन जो भी उपकरण आयात होंगे, उनका देश के प्रयोगशालाओं में गहन परीक्षण होगा ताकि यह पता लगाया जा सके कि कहीं उसमें 'मालवेयर' और 'ट्रोजन होर्स' का उपयोग तो नहीं हुआ है। उसी के बाद उसके उपयोग की अनुमति होगी।'' मालवेयर ऐसा साफ्टवेयर या प्रोग्राम होता है जिससे फाइल या संबंधित उपकरणों को नुकसान पहुंच सकता है। वहीं ट्रोजन होर्स मालवेयर साफ्टवेयर है जो देखने में तो उपयुक्त लगेगा लेकिन यह कंप्यूटर या दूसरे साफ्टवेयर को नुकसान पहुंचा सकता है। इसे इस रूप से तैयार किया जाता है जिससे डेटा या नेटवर्क को बाधित किया जा सके।

चीनी सामान के बहिष्कार की गूंज के बीच व्यापारी संगठन ने कहा- पड़ोसी का माल सस्ता नहीं होता

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

लद्दाख की गलवान घाटी में चीन की हमलावर हरकतों के बीच भारत में वहां के माल के बहिष्कार की गूंज के बीच देश के खुदरा व्यापारियों के प्रमुख संगठन कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के महासचिव प्रवीण खंडेलवाल का मानना है कि यह भ्रम है कि चीन का सामान सस्ता होता है। 'चीनी माल के बहिष्कार-अभियान में अग्रणी भूमिका निभा रहे खंडेलवाल ने 'भाषा' से बातचीत में कहा, ''तैयार माल को देखें तो 80 प्रतिशत उत्पाद ऐसे हैं, जिनमें भारत और चीन के सामान का दाम लगभग समान है। भारतीय उत्पादों की गुणवत्ता भी बेहतर होती है। चीन के उत्पाद 'यूज एंड थ्रो' वाले होते है। हमारे उत्पादों के साथ ऐसा नहीं है। इसके अलावा भारतीय सामान के साथ गारंटी भी होती है।' उन्होंने कहा , ''चीन की रणनीति है। वह अपने सामान को किफायती बताकर उसे भारतीय बाजारों में पाटता रहा है। हालांकि, अब लोगों की धारणा बदल रही है।'' कैट ने 10 जून से चीनी सामानों के बहिष्कार का अभियान शुरू किया है। इसमें कैट ने बॉलीवुड की हस्तियों, क्रिकेट खिलाड़ियों तथा मुकेश अंबानी और रतन टाटा जैसे दिग्गज उद्योपतियों का सहयोग मांगा है। खंडेलवाल ने कहा, '''हम पूरी तरह चीन के आयात पर निर्भरता समाप्त कर सकते हैं। बशर्ते सरकार, उद्योग और व्यापार मिलकर काम करें।'' उन्होंने कहा कि पहले हम पीपीई किट, मास्क और वेंटिलेटर नहीं बनाते थे। कोविड-19 ने अवसर दिया और आज हम इनके विनिर्माण में दुनिया के कई देशों को पीछे छोड़ चुके हैं। उन्होंने कहा कि सरकार उद्योग के लिए प्रत्येक जिले में कम से कम 50 एकड़ जमीन चिह्नित करे। वहां हम अपनी विनिर्माण इकाइयां लगा सकते हैं। इसके अलावा सरकार को उद्योग को सस्ता कर्ज उपलब्ध कराना चाहिए। भारत में श्रम सस्ता है, जमीन उपलब्ध है, उपभोग के लिए बड़ी आबादी है। अगर सब मिलकर चलें, तो कोई वजह नहीं कि हम अगले चार-पांच साल में चीन से आयात पूरी तरह समाप्त करने में सफल हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि चीनी सामान के बहिष्कार का अभियान कई साल से चल रहा है। यहीं वजह है कि अब होली, दिवाली जैसे भारतीय त्योहारों पर व्यापारियों ने चीन से आयात काफी कम कर दिया है। उन्होंने कहा कि चीन मुख्य रूप से तैयार माल, कच्चे माल, कलपुर्जों तथा प्रौद्योगिकी उत्पादों का निर्यात भारत को करता है।

नयी कर व्यवस्था के तहत यात्रा भत्ते पर आयकर से छूट का दावा कर सकते हैं कर्मचारी : सीबीडीटी

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

सरकार ने नयी कर व्यवस्था के तहत कर्मचारियों को नियोक्ताओं से प्राप्त यात्रा भत्ते पर आयकर से छूट का दावा करने की सुविधा दे दी है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने इसके लिये आयकर नियमों में बदलाव किया है। सीबीडीटी द्वारा किये गये संशोधन के बाद अब कर्मचारी कुछ चुनिंदा मामलों में आयकर से छूट का दावा कर सकते हैं। इन चुनिंदा मामलों में यात्रा या स्थानांतरण के मामले में आने-जाने के खर्च के लिये दिया गया भत्ता, यात्रा की अवधि के दौरान दिया गया कोई अन्य भत्ता, सामान्य कार्यस्थल से अनुपस्थिति की स्थिति में एक कर्मचारी को दैनिक खर्च पूरा करने के लिये दिया जाने वाला भत्ता आदि शामिल है। इनके अलावा यदि नियोक्ता निःशुल्क आने-जाने की सुविधा नहीं प्रदान कर रहे हों, तो रोजाना काम पर आने-जाने के खर्च के लिये दिये जाने वाले भत्ते पर भी आयकर से छूट का दावा किया जा सकता है। सीबीडीटी ने यह भी स्पष्ट किया कि अनुलाभ के मूल्य का निर्धारण करते समय नियोक्ता द्वारा प्रदत्त वाउचर (पेड) के माध्यम से मुफ्त भोजन और गैर-मादक पेय के संबंध में कोई छूट नहीं मिलेगी। इसके अलावा, नेत्रहीन, मूक, बधिर अथवा हड्डियों से दिव्यांग कर्मचारी 3,200 रुपये प्रति माह के परिवहन भत्ते में छूट का दावा कर सकते हैं।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 2020-21 के बजट में लोगों को आयकर की एक वैकल्पिक दर की पेशकश करते हुए नयी कर आयकर व्यवस्था का प्रस्ताव किया था। इसके तहत 2.5 लाख रुपये तक की वार्षिक आय पर कर से छूट मिलती है। जो व्यक्ति 2.5 लाख रुपये से 5 लाख रुपये तक कमाते हैं, उन्हें पांच प्रतिशत की दर से आयकर का भुगतान करना होगा। इसी तरह, पांच से 7.5 लाख रुपये के बीच की आय पर 10 प्रतिशत, 7.5 से 10 लाख रुपये के बीच की आय पर 15 प्रतिशत, 10 से 12.5 लाख रुपये सालाना कमाने वालों पर 20 प्रतिशत, 12.5 रुपये से 15 लाख रुपये की सालाना कमाई पर 25 प्रतिशत तथा 15 लाख रुपये से अधिक की आय पर 30 प्रतिशत कर का प्रावधान है। नयी कर व्यवस्था उन व्यक्तियों के लिये है, जो कुछ निर्दिष्ट कटौती या छूट का लाभ नहीं उठा रहे हैं।

रिलायंस ने केजी-डी6 से उत्पादन की योजना सितंबर-अक्टूबर तक टाली

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

रिलायंस इंडस्ट्रीज ने पूर्वी अपतटीय केजी-डी6 ब्लॉक में दूसरे दौर की खोजों से उत्पादन शुरू करने की योजना को सितंबर-अक्टूबर तक टाल दिया है। कंपनी का कहना है कि कोविड-19 महामारी की वजह से लागू लॉकडाउन के चलते उसे गहरे पानी की परियोजना के क्रियान्वयन में दिक्कतें आ रही हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अपनी भागीदार ब्रिटेन की बीपी पीएलसी के साथ पहले कृष्णा गोदावरी ब्लॉक की आर-श्रृंखला से मई में उत्पादन शुरू करने की योजना बनाई थी। बाद में लॉकडाउन की वजह से कंपनी ने इसे टालकर जून अंत तक कर दिया था। रिलायंस इंडस्ट्रीज की ताजा वार्षिक रिपोर्ट में कहा गया है कि लॉकडाउन लंबा खिंचने की वजह से अब इस ब्लॉक से उत्पादन की योजना को चालू वित्त वर्ष के मध्य तक टाल दिया गया है। इस हिसाब से अब कंपनी सितंबर या अक्टूबर में इस ब्लॉक से उत्पादन शुरू करेगी। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने रिपोर्ट में कहा है कि 2019-20 में उसने मुख्य रूप से

केजी-डी6 के गहरे पानी के ब्लॉक से करीब 3,000 अरब घनफुट के बराबर खोजों के मौद्रिकरण पर ध्यान केंद्रित किया। इसी के अनुरूप केजी-डी6 में गहरे और अत्यंत गहरे पानी की परियोजनाओं...आर-क्लस्टर, सैटेलाइट क्लस्टर और एमजे फील्ड के काम को आगे बढ़ाया गया।

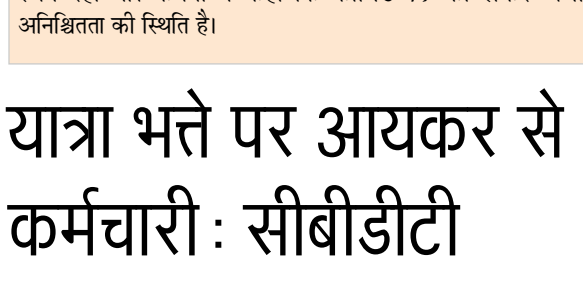

कंपनी ने कहा कि सभी अनुबंध दिए जा चुके हैं और ये परियोजनाएं क्रियान्वयन के विभिन्न चरणों में है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

टेस्ट सीरीज शुरू होने से पहले विंडीज टीम को झटका, कोच सिमंस ने खुद को किया क्वारंटाइन

स्पोर्ट्स डेस्क। इंग्लैंड के खिलाफ आठ जुलाई से शुरू हो रही तीन मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले वेस्टइंडीज की टीम को एक झटका लगा है। टीम के मुख्य कोच फिल सिमंस ने खुद को अपने कमरे में क्वारंटीन (आइसोलेट) कर लिया है। क्रिकेट वेस्टइंडीज के प्रवक्ता ने सिमंस के सेल्फ आइसोलेशन में रहने की पुष्टि की है। सिमंस की गैर-मौजूदगी में सहायक कोच रॉडी एस्टविक और रेयान ग्रिफिथ पर टीम की सारी जिम्मेदारी आ गई है। मेहमान टीम के तेज गेंदबाज अल्जारी जोसफ ने कहा है कि मुख्य कोच सिमंस की गैर-मौजूदगी से टीम की तैयारी पर कोई खास असर नहीं पड़ेगा। जोसफ ने कहा, 'हमें अपना काम करना है। हम अपनी तैयारी कर रहे हैं। हमारा कोचिंग स्टॉफ बहुत बड़ा है और सभी लोग एक-दूसरे की काफी मदद करते हैं। इसलिए किसी को कोई परेशानी नहीं होगी। दरअसल, सिमंस शुक्रवार को एक अंतिम संस्कार में शामिल हुए थे। इसलिए एहतियात के तौर पर उन्होंने खुद को अपने कमरे में क्वारंटीन कर लिया है। अब वह दो बार कोरोना टेस्ट में नेगेटिव आने के बाद ही टीम के साथ जुड़ सकेंगे। विंडीज की टीम सोमवार से अपना दूसरा अभ्यास मैच खेलेगी।

वाडा का 20 करोड़ का फंड रोक सकता है अमेरिका, रूस में डोपिंग नहीं रोक पाने का आरोप लगाया

साउथम्पटन (एजेंसी)।

इंटरनेशनल ओलिंपिक कमेटी (आईओसी) वाडा के समर्थन में उतर आया है। व्हाइट हाउस ने रूस के डोपिंग मामले में वर्ल्ड एंटी डोपिंग एजेंसी (वाडा) के पूरी तरह से फेल रहने का आरोप लगाया था। इसके अलावा उसने सालाना फंडिंग रोकने की बात कही थी। रूस पर एथलीट के सैंपल के साथ छेड़छाड़ के आरोप लगे हैं। अमेरिका वाडा को बतौर फंड 20 करोड़ रुपए देता है। यह एक देश के तौर पर दी जाने वाली सबसे ज्यादा राशि है। वाडा का वार्षिक बजट लगभग 282 करोड़ का है। इसका 50त्र खर्च आईओसी उठाता है। अमेरिका की रिपोर्ट में यह भी दावा किया है कि हमें बजट के अनुरूप वाडा से कोई सपोर्ट नहीं मिल रहा है।

रिपोर्ट गलत धारणाओं और झूठ पर आधारित

इस रिपोर्ट पर वाडा ने कहा कि यह रिपोर्ट गलत धारणाओं और झूठ पर आधारित है। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि बिना उचित कारण के वाडा को बदनाम करने के लिहाज से इसे तैयार किया गया है। वाडा ने कहा कि यह समझ से परे है कि इस तरह की रिपोर्ट तब तैयार की जाती है, जब उनकी ओर से पिछले 20 वर्षों में वाडा फाउंडेशन बोर्ड की बैठक में इस तरह का कोई मुद्दा नहीं उठाया गया। 2020-2024 के नए स्ट्रेटजिक प्लान का भी उनकी ओर से समर्थन किया गया। वाडा ने कहा कि यह समझ से परे है कि इस तरह की रिपोर्ट तब तैयार की जाती है, जब उनकी ओर से पिछले 20 वर्षों में वाडा फाउंडेशन बोर्ड की बैठक में इस तरह का कोई मुद्दा नहीं उठाया गया। 2020-2024 के नए स्ट्रेटजिक प्लान का भी उनकी ओर से समर्थन किया गया।

बिना भेदभाव के समान नियम हों

इसके बाद आईओसी ने कहा, 'हम यह सुनिश्चित करेंगे कि सभी नेशनल कमेटी की ओर से भाग लेने वाले एथलीटों के लिए ओलिंपिक खेलों में समान शर्तें लागू हों और वे बिना किसी विशेषाधिकार या भेदभाव के समान नियमों के अधीन हों।'

इंग्लैंड के स्पिनर का बड़ा खुलासा, अफ्रीकी दौरे के दौरान कोरोना वायरस जैसे लक्षण थे

साउथम्पटन (एजेंसी)।

इंग्लैंड के स्पिनर जैक लीच ने कहा कि इस साल दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान उनमें कोरोना वायरस जैसे लक्षण दिखे थे लेकिन अब पूर्ण फिटनेस हासिल करने के बाद उनका ध्यान अगले महीने होने वाली टेस्ट श्रृंखला के लिए राष्ट्रीय टीम में जगह बनाना है। बाएं हाथ के स्पिनर लीच को जनवरी में दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान सेपसिस (प्रतिरक्षी तंत्र का संक्रमण के प्रति अत्यधिक प्रतिक्रिया देना) से जूझने के बाद स्वदेश लौटना पड़ा था। लीच ने कहा, 'मुझे लगता है कि अब हमें कभी पता नहीं चलेगा, अगर दक्षिण अफ्रीका में जो लक्षण दिखे थे वे अब दिखते तो मैं निश्चित तौर पर कह सकता था कि यह कोरोना वायरस है। लेकिन अब मैं स्वस्थ और फिट महसूस कर रहा हूं। इस क्रिकेटर ने वीडियो कॉल पर कहा, 'इन सर्दियों में जो हुआ उसमें मैं कुछ नहीं कर सकता लेकिन मैं भाग्यशाली हूं कि मेरी क्रोन की बीमारी अब ठीक है। कई ऐसे लोग हैं जो मेरे से भी बदतर बीमारी से पीड़ित हैं। मैं खुद के लिए दुखी नहीं हूं, मैं जितना अधिक संभव हो उतना क्रिकेट खेलना चाहता हूं और फिट तथा स्वस्थ रहना चाहता हूं। लीच इंग्लैंड की 30 सदस्यीय टीम में शामिल पांच स्पिनरों में से एक हैं। उनके अलावा डोम बेस, मोईन अली के अलावा नए खिलाड़ियों अमर विर्डी और मैट पार्किंसन को टीम में जगह मिली है। लीच का मानना है कि अगर वह सही मानसिकता रखते हैं तो किसी भी तरह की चुनौती से पार पा सकते हैं और वह हैडिंग्ले में अपने बल्लेबाजी प्रदर्शन से प्रेरणा ले रहे हैं जब वह 17 गेंद तक क्रीज पर टिके रहे थे और बेन स्टोक्स के साथ मिलकर टीम को एक विकेट की शानदार जीत दिलाई थी।

नस्लवाद के मुद्दे पर फिर बोले विंडीज कप्तान जेसन होल्डर

मैनचेस्टर। वेस्टइंडीज के कप्तान जेसन होल्डर ने नस्लीय टिप्पणियां करने वाले दोषी खिलाड़ियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की और कहा कि उन्हें डोपिंग और मैच फिक्सिंग करने वाले दोषी खिलाड़ियों की तरह ही सजा मिलनी चाहिए। होल्डर ने 'बीबीसी स्पोर्ट से कहा, 'मुझे नहीं लगता कि नस्लवाद की सजा डोपिंग या भ्रष्टाचार की सजा से अलग होनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'अगर हमारे खेल में कुछ मुद्दे हैं तो हमें उन्हें बराबरी से निपटना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के नियमों के अनुसार एक खिलाड़ी को मैदान पर नस्लीय टिप्पणी करने के लिए आजीवन प्रतिबंधित किया जा सकता है, अगर उसने तीन बार नस्लीय रोधी संहिता का उल्लंघन किया हो। पहली बार ऐसा करने पर चार से आठ निलंबन अंक खिलाड़ी के खाते में जुड़ जाते हैं। दो निलंबन अंक एक टेस्ट या दो एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय या दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के बराबर होते हैं। मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ आठ जुलाई से शुरू होने वाली तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला में टीम की अगुआई करने वाले होल्डर ने कहा कि प्रत्येक श्रृखंला से पहले खिलाड़ियों को नस्लीय रोधी चीजों के बारे में बताना शुरू किया जाना चाहिए।

तेज गेंदबाज शिखा पांडे ने माानना- महिला क्रिकेट अलग खेल, अनावश्यक बदलाव ना करें

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत की सीनियर तेज गेंदबाज शिखा पांडे महिला क्रिकेट को अधिक लोकप्रिय बनाने के लिए छोटी गेंद और छोटी पिच जैसे सुझावों को 'अनावश्यक मानती हैं और उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से अपील की कि अधिक दर्शकों को आकर्षित करने के लिए नियमों से 'छेड़छाड़ नहीं करें। झूलन गोस्वामी के बाद नई गेंद की भारत की सबसे अच्छी गेंदबाजों में से एक शिखा ने न्यूजीलैंड की कप्तान सोफी डिवाइन और भारत की उभरती हुई खिलाड़ी जेमिमा रोड्रिग्ज की मौजूदगी वाले आईसीसी के हाल के वेबिनार के संदर्भ में कई ट्वीट किए। इसी वेबिनार के दौरान कई तरह के सुझाव सामने आए थे। भारतीय वायुसेना की अधिकारी 31 साल की शिखा ने लिखा, 'महिला क्रिकेट की प्रगति/इसे अधिक लोकप्रिय बनाने के लिए विभिन्न कई तरह के सुझावों के बारे में पढ़/सुन रही हूं। मेरा निजी तौर पर मानना है कि अधिकांश सुझाव अनावश्यक हैं। भारत की ओर से 104 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 113 विकेट चटकाने वाली शिखा ने हल्की गेंद और 20 गज की पिच की तुलना 100 मीटर फर्राटा दौड़ से करके चीजों को समझाया। उन्होंने लिखा, 'ओलंपिक 100 मीटर फर्राटा महिला धाविका पहले स्थान का पदक हासिल करने और पुरुष समकक्षों के बराबर समय निकालने के लिए 80 मीटर नहीं दौड़तीं। शिखा ने लिखा, 'इसलिए किसी भी कारण से पिच की लंबाई कम करना संदेहास्पद लगता है। साथ ही इससे एक साथ दो मुकाबलों का आयोजन भी नहीं हो पाएगा।

शिखा बाउंड्री छोटी करने के पक्ष में भी नहीं हैं। उन्होंने कहा, ''कृपया करके सीमा रेखा छोटी मत कीजिए। हाल के समय में अपनी पावर हिटिंग से हमने आपको हैरान किया है, यह सिर्फ शुरुआत है, हम बेहतर होंगे। धैर्य रखिए। हम सभी कुशल खिलाड़ी हैं जो सुधार कर रही हैं। इस भारतीय खिलाड़ी को यह आपत्तिजनक लगता है कि प्रगति हासिल करने के लिए मजबूत मार्केटिंग की जगह नियमों में बदलाव का सहारा लिया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

ब्रेंडन टोड ने ट्रैवलर्स चैंपियनशिप गोल्फ टूर्नामेंट में बढ़त बनाई

क्रोमवेल। ब्रेंडन टोड और डस्टिन जॉनसन दोनों ने ट्रैवलर्स चैंपियनशिप गोल्फ टूर्नामेंट के तीसरे दौर में 61 का स्कोर बनाया जिससे टोड ने 2016 अमेरिकी ओपन चैंपियन पर दो शॉट की बढ़त बना ली है। जॉर्जिया के 34 साल के टोड का 54 होल के बाद कुल स्कोर 18 अंडर 192 है। पहले दो दौर में 66 और 65 के स्कोर बनाए थे। टूर पर 21वीं जीत की कोशिशों में जुटे जॉनसन का कुल स्कोर 16 अंडर 194 है। पहले दौर में 69 के स्कोर से पिछड़ने वाले जॉनसन ने दूसरे दौर में 64 के स्कोर के साथ वापसी की थी। तीसरे दौर में 63 का स्कोर बनाने वाले केविन स्ट्रीलमैन तीसरे जबकि मैकेंजी ह्यूज (68) चौथे स्थान पर हैं।

सलमान खान के बचाव में उतरे शोएब अख्तर, सुशांत सिंह राजपूत पर दिया बड़ा बयान

स्पोर्ट्स डेस्क। कुछ दिनों पहले बॉलीवुड अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत ने 14 जून को बांद्रा स्थित अपने अपार्टमेंट में कथित तौर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वह 34 वर्ष के थे। जिसके बाद फिल्म इंडस्ट्री के बड़े एक्ट्रर जमकर सोशल मीडिया पर ट्रोल हुए थे। जिनमें करण जौहर से लेकर सलमान खान भी थे। ऐसे में पाकिस्तान टीम के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने सुशांत की मौत पर बड़ा बयान दिया है। दरअसल, अपने यूट्यूब चैनल पर सुंशात की मौत पर बातचीत करते शोएब ने कहा, जब मैं उससे मिला था तो मुझे सुशांत सिंह राजपूत (में ज्े यादा आते मविश्े वास नहीं दिखा था। ईमानदारी से कहूं तो मुझे वह बहुत आते मविश्े वासी नहीं लगे थे। वह मेरे पास से सिर झुकाए निकल गए। उस समय मेरे एक दोस्े त ने बताया कि वह एमएस धोनी की फिल्े म में उनकी भूमिका निभा रहे हैं। मैंने सोचा कि मुझे उनकी एक्टिंग देखनी हैं। वह बहुत ही विनम्र बैकग्राउंड से संबंध रखते हैं और एक बेहतरीन फिल्म बना रहे हैं। गौरतलब है कि सुशांत की मौत के बाद से ही बॉलीवुड में नेपोटिज्े म का मुद्दा गर्माया हुआ है। सलमान खान भी काफी ट्रोल हो रहे हैं। शोएब अख्े तर ने सलमान खान और बाकी बॉलीवुड सेलिब्रिटीज पर लगाए जा रहे आरोपों पर बात करते हुए कहा कि बिना सबूत के किसी पर भी आरोप लगाना गलत हैं। इस लंबे करियर में उन्होंने 46 टेस्ट मैच और 163 वनडे खेले। इस लंबे करियर में उन्होंने 46 टेस्ट मैच और 163 वनडे खेले। उनके नाम 178 टेस्ट विकेट और 247 वनडे विकेट रहे। टेस्ट में उन्होंने 12 बार 5 विकेट लिए और दो टेस्ट में दोनों पारियों में कुल 10 विकेट लेने का कारनामा भी किया।

इरफान पठान ने खोला राज, बताया 2007 से 2013 की बीच धोनी की कप्तानी में क्या आए बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज इरफान पठान ने खुलासा किया कि विश्व कप विजेता पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने 2007 में जब अपना कप्तानी कार्यकाल शुरू किया था तब वह अपने गेंदबाजों पर नियंत्रण करना पसंद करते थे लेकिन 2013 तक उन्होंने उन पर भरोसा करना शुरू कर दिया था और इसी दौर में वह काफी शांत नेतृत्वकर्ता भी बन गए थे। दरअसल, पठान ने एक क्रायकर्म में धोनी के कप्तान के रूप में 2007 और 2013 के बीच बदलाव के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, '2007 में यह पहली बार था और जब आपको टीम की अगुआई की जब आपको टीम की अगुआई की बड़ी जिम्मेदारी दी जाती है तो आप थोड़े उत्साहित हो जाते हो, आप इसे समझ सकते हो। उन्होंने कहा, 'हालांकि टीम बैठक हमेशा कम समय की होती थी।

2007 में भी और 2013 में चैम्पियंस ट्रॉफी के दौरान भी। सिर्फ पांच मिनट की बैठक। इस साल के शुरू में क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा करने वाले इस तेज गेंदबाज ने धोनी में एक बदलाव के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, '2007 में वह उत्साहित होकर विकेटकीपिंग से गेंदबाजी छोर तक भागा करते थे और साथ ही गेंदबाजों पर भी नियंत्रण करने की कोशिश करते थे लेकिन 2013 में वह गेंदबाजों को खुद पर नियंत्रण करने देते थे। वह बहुत शांत हो गये थे।

आईसीसी डब्ल्यूटीसी के समय में विस्तार नहीं करता तो रद्द टेस्ट खेलने की संभावना नहीं: बीसीबी

नयी दिल्ली। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) चाहता है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का समय बढ़ाए क्योंकि उसे कोविड-19 महामारी के कारण हाल में रद्द हुए आठ टेस्ट मैचों में अपनी टीम के खेलने की संभावना नजर नहीं आती। इस महामारी का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कार्यक्रम पर गहरा असर पड़ा है और बांग्लादेश आठ टेस्ट मैच नहीं खेल पाया जो पिछले साल अगस्त में शुरू हुई आईसीसी टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा थे इन आठ टेस्ट मैचों में अप्रैल में पाकिस्तान के खिलाफ उसकी सरजमीं पर होने वाला एक टेस्ट, आस्ट्रेलिया के खिलाफ जून में दो मैचों की श्रृंखला, न्यूजीलैंड के खिलाफ दो टेस्ट की श्रृंखला और श्रीलंका के खिलाफ तीन टेस्ट की श्रृंखला शामिल थी। बीसीबी के क्रिकेट संचालन अध्यक्ष अकरम खान ने 'क्रिकबज' से कहा, ''जब तक मौजूदा आईसीसी टेस्ट चैंपियनशिप के समय को बढ़ाया नहीं जाता तब तक निर्धारित समय में आठ टेस्ट मैच खेल पाने का कोई तरीका नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''हम देखना चाहते हैं कि आईसीसी टेस्ट चैंपियनशिप के साथ क्या करता है क्योंकि जब तक इसमें बदलाव नहीं होता तब तक रद्द हो चुके आठ टेस्ट मैचों को खेलने की संभावना नहीं के बराबर है।' डब्ल्यूटीसी में 12 टेस्ट खेलने वाले देशों में से नौ दो साल के दौरान आपस में भिड़ते हैं। सभी देशों को छह टेस्ट श्रृंखलाएं खेलनी हैं जिसमें तीन स्वदेश में और तीन विदेश में खेलनी होंगी। हालांकि सभी टीमें समान संख्या टेस्ट नहीं खेलेंगी। प्रत्येक टीम प्रत्येक श्रृंखला से अधिकतम 120 अंक जुटा सकती है और लीग चरण खत्म होने के बाद अधिकतम अंक हासिल करने वाली दो टीमें अगले साल जून में फाइनल में हिस्सा लेंगी। जुलाई 2019 और 31 मार्च 2021 के बीच 72 टेस्ट खेले जाने की संभावना है । बीसीबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी निजामुद्दीन चौधरी ने भी कहा कि अगर आईसीसी टेस्ट फाइनल अगले साल पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार होता है तो रद्द टेस्ट खेलने की संभावना बेहद कम है। निजामुद्दीन ने कहा, ''अगर टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार अगले साल जून में होता है तो इन मैचों (आठ टेस्ट) का भविष्य अच्छा नहीं है।

यूपीसीए पदाधिकारियों पर लगाए गए आरोप निराधार : लोकपाल

कानपुर। उत्तर प्रदेश क्रिकेट संघ (यूपीसीए) के लोकपाल सीके प्रसाद ने क्रिकेटर त्रिवेश यादव के पिता द्वारा यूपीसीए के पदाधिकारियों पर लगाये गये आरोपों को निराधार करार दिया है। यूपीसीए के सूत्रों ने बताया कि लोकपाल ने 24 जून को सौंपी अपनी रिपोर्ट में कहा है कि क्रिकेट खिलाड़ी त्रिवेश यादव के पिता न्यायाधीश रमेश यादव द्वारा यूपीसीए पर लगाए गए आरोप निराधार और गलत हैं। यादव अपने आरोपों के सापेक्ष में कोई भी ठोस दस्तावेज पेश नहीं कर सके। यूपीसीए के प्रवक्ता ने रविवार को बताया कि त्रिवेश यादव के पिता ने आरोप लगाया था कि उनके पुत्र ने अंडर-19 कूच बिहार ट्राफी के फाइनल सहित नाकआउट मैचों में शिरकत की थी जिसकी मैच फीस का पूरा भुगतान, पुरस्कार राशि एवं संबंधित प्रमाण पत्र उसे नहीं दिए गए। लोढा समिति के निर्देशों के अनुपालन में नियुक्त लोकपाल ने पाया कि त्रिवेश ने मात्र दो मैचों मे अतिरिक्त खिलाड़ी के रूप में भाग लिया था और इन दो मैचों की फीस बीसीसीआई ने सीधे खिलाड़ी के खाते में स्थानांतरित कर दी थी। लोकपाल ने इस मामले में यूपीसीए और बीसीसीआई से त्रिवेश को किए गए भुगतान संबंधी सभी दस्तावेज मंगवाए जिन्हें उन्होंने सही पाया। लोकपाल ने कहा कि त्रिवेश के पिता रमेश यादव ने यूपीसीए के अधिकारियों को जिस तरह के मैसेज भेजे हैं, वह कतई उनकी पद एवं गरिमा के अनुरूप नहीं है।

विराट परिस्थिति के हिसाब से अपना खेल बदल लेते हैं, यही उनकी सबसे बड़ी खासियत : विक्रम राठौड़

लंदन (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ (51) ने कप्तान विराट कोहली की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि कोहली परिस्थिति के हिसाब से अपना खेल कभी भी बदल सकते हैं। यही उनकी सबसे बड़ी खासियत भी है। विक्रम ने कहा कि भारतीय कप्तान हर एक फॉर्मेट में जरूरत के हिसाब से खेलते हैं। एक स्पोर्ट्स वेबसाइट से बात करते हुए विक्रम ने कहा, ''मेरा मानना है कि कोहली का कमिटमेंट ही उनकी सबसे अच्छी बात यह है। वे दुनिया का सबसे बेहतरीन खिलाड़ी बनना चाहते हैं और उसके लिए वे कड़ी मेहनत भी करते हैं। मैंने उन्हें यह सब करते हुए देखा भी है। मुझे लगता है कि हर एक परिस्थिति में ढलने की क्षमता ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है।'' उन्होंने कहा, ''वे सिर्फ एक ही तरह से खेलने वाले खिलाड़ी नहीं हैं। वे अपना खेल जरूरत के हिसाब से कभी भी बदल सकते हैं। उन्होंने सभी फॉर्मेट में अलग-अलग तरीके से क्रिकेट खेला है। यही उनकी एक सबसे बड़ी ताकत भी है।'' विक्रम ने कहा, ''इसका एक सबसे बड़ा उदाहरण आप 2016 के आईपीएल सीजन से ले सकते हैं। तब मैंने उनका शानदार खेल देखा था। उस दौरान कोहली ने सीजन में 4 शतक और 40 अलग-अलग तरीके से सिक्स लगाए थे। दो महीने आईपीएल खेलने के बाद टीम वेस्टइंडीज दौरे पर गई थी। वहां भी कोहली ने पहले ही टेस्ट में दोहरा शतक लगाया था। इस पारी में उन्होंने हवा में भी कोई शॉट नहीं मारा था।'' कोहली ने आईपीएल के 2016 सीजन में 973 रन बनाए थे। बल्लेबाजी कोच ने कहा, ''इसलिए, आपको अपनी बल्लेबाजी में बदलाव लाते रहना चाहिए, क्योंकि आप अलग-अलग फॉर्मेट में खेलते हैं। हालांकि, ज्यादातर क्रिकेटर ऐसा नहीं करते हैं। मुझे लगता है कि विराट कोहली अपने एक अलग ही तरीके से क्रिकेट खेलना चाहते हैं।

वे अलग-अलग परिस्थितियों में खेल सकते हैं।'' कोहली ने 86 टेस्ट में 53.62 की औसत से 7240 रन बनाए हैं। उन्होंने 27 शतक भी लगाए हैं। उनके नाम 248 वनडे में 11867 और 81 टी-20 में 2794 रन हैं।

मैनचेस्टर यूनाईटेड एफए कप सेमीफाइनल में, वोलव्स पांचवें स्थान पर

लंदन। मैनचेस्टर यूनाईटेड ने 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रहे नोर्विच सिटी को अतिरिक्त समय में 2-1 से हराकर एफए कप फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई जबकि इंग्लिश प्रीमियर लीग में वोल्वरहैंपटन वांडरर्स अगले सत्र में चैंपियन्स लीग में जगह बनाने की दौड़ में बरकरार है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सरोज खान के स्वास्थ्य में आया सुधार, जल्द हो सकती हैं अस्पताल से डिस्चार्ज, कोरोना रिपोर्ट भी आई नेगेटिव

बॉलीवुड । कोरियोग्राफर सरोज खान की ओर से राहत की खबर सामने आई है। सरोज सांस लेने की तकलीफ के चलते शरिवार बांद्रा के अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वहां उनकी कोरोना रिपोर्ट भी ली गई थी। अब हाल ही में उनकी कोरोना रिपोर्ट सामने आ गई हैं और वो इस संक्रमण के खतरे से बाहर हैं। साथ ही खबर है कि अब उन्हें सांस लेने में दिक्कत भी नहीं हैं। कुणाल ने बुधवार को ट्वीट कर बताया कि उन्होंने सरोज खान के बेटे राजू खान से बात की, जिन्होंने अपनी मां के स्वास्थ्य को लेकर अपडेट दिया। उन्होंने बताया कि 'मास्टरजी' अब ठीक हैं और उनके स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है। उन्हें सांस लेने में तकलीफ के कारण अस्पताल ले जाया गया था, कोरोना नहीं है, अब वो बेहतर हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक सरोज खान एक दो दिन में किसी भी टाइम डिस्चार्ज हो सकती हैं। बता दें सरोज बॉलीवुड इंडस्ट्री की जानी मानी कोरियोग्राफर है और वो अबत तक दो हजार से ज्यादा फिल्मी गानों को कोरियोग्राफ कर चुकी हैं।

सारा ने सुशांत से सीखी एक्टिंग

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान का कहना है कि उन्होने सुशांत सिंह राजपूत की मदद से एक्टिंग सीखी और वह मददगार थे।सारा अली खान का एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें वह सुशांत सिंह राजपूत के काम की सराहना करती नजर आ रही हैं। फिल्म 'केदारनाथ' सारा अली खान की पहली फिल्म थी। फिल्म 'केदारनाथ' की प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान का यह वीडियो इंटरनेट पर काफी वायरल हो रहा है। सारा इसमें कहती नजर आ रही हैं मैं नहीं जानती कि मैंने इस फिल्म में आखिर कैसा काम किया है। लेकिन मैंने, बहुत-बहुत मेहनत की है। मुझे लगता है कि मैंने इस फिल्म में जैसा भी काम किया, जो भी काम किया, वो मैं सुशांत के बिना नहीं कर पाती। सुशांत मददगार साबित हुए। कई दिन ऐसे होते थे जब मैं अपनी दुनिया में खोई हुई होती थी, डरी हुई होती थी, लेकिन सुशांत मुझे हमेशा सपोर्ट करते थे। मुझे चीयरअप करते थे। मैं टूटी-फूटी हिंदी बोलती थी तो सुशांत ही मुझे सिखाते थे और ठीक करते थे।

घुड़सवारी सीख रही है : जैकलीन

मुंबई । बॉलीवुड अभिनेत्री और पूर्व मिस श्रीलंका जैकलीन फर्नांडीस इन दिनों घुड़सवारी सीख रही है।जैकलीन फर्नांडीस लॉकडाउन के बाद से ही सलमान खान के फार्महाउस में हैं। जैकलिन फर्नांडीस वहीं से अपने दो सॉन्ग भी रिलीज कर चुकी हैं।जैकलीन फर्नांडीस ने बताया, अभी मैं एक फार्म में हूं और भाग्यशाली हूं कि लॉकडाउन की घोषणा से पहले ही मैं यहां आ गई थी। यह दो महीने अच्छे रहे हैं, यहां माहौल बेहद अच्छा है. अच्छी ताजी हवा है। जैकलीन फर्नांडीस ने कहा, मैं रोजाना सुबह और शाम घुड़सवारी करती हूं, यह मुझे वास्तव में बहुत पसंद है। मैं वर्कआउट कर रही हूं और योग तथा ध्यान में समय गुजार रही हूं। मैं रीडिंग करने की भी कोशिश कर रही हूं। मैं जितना संभव हो उतने कोर्स करने की कोशिश कर रही हूं तो फ़िलहाल मैं एक हिंदी का कोर्स कर रही हूं और साथ ही एडिटिंग का कोर्स भी कर रही हूं, जिससे मुझे अपने ब्लॉग बनाने और पूरी प्रक्रिया को समझने में मदद मिल रही है क्योंकि हम ऐसी स्थिति में हैं, जहां मेरे साथ मेरी टीम नहीं है इसलिए बहुत सी चीजें मुझे अपने दम पर करने की जरूरत है और मैं अपना काम पूरा कर रही हूं।

इस दिन रिलीज होगी सुशांत सिंह राजपूत की आखिरी फिल्म दिल बेचारा

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की आखिरी फिल्म दिल बेचारा डिजिटल प्लेट फॉर्म पर रिलीज होने जा रही हैं। सुशांत की ये फिल्म 24 जुलाई को डिजिनी प्लस हॉट स्टार पर रिलीज होगी। इस फिल्म में सुशांत के साथ संजना सांघी और सैफ अली खान हैं। फिल्म को कास्टिंड डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा ने डायरेक्ट किया है। फिल्म की डिजिटल रिलीज की घोषणा और मूवी का पोस्टर शेयर करते हुए संजना ने सोशल मीडिया पर लिखा- प्यार, उम्मीद और कभी न खत्म होने वाली यादों की कहानी। दिवंगत सुशांत सिंह राजपूत की विरात को मनाएं। ये हमारे यादों में हमेशा रहेगी। दिल बेचारा 24 जुलाई को रिलीज हो रही है।यह फिल्म अमेरिकी रोमांटिक ड्रामा फिल्म द फॉल्ट इन आवर स्टार्स की रीमेक है लेकिन फिल्म में एक बहुत बड़ा ट्विस्ट भी होगा। बता दें कि फिल्म के लीड एक्टर सुशांत सिंह राजपूत ने 16 जून को फ्लैट में फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया था। वह लंबे समय से डिप्रेशन के जूझ रहे थे। सुशांत के घर से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। पुलिस इस मामले की पड़ताल कर रही है।

पर्सनल लाइफ को लेकर भूमि ने किया चौंकाने वाला खुलासा, जिंदगी भर सिंगल रहेंगी

बॉलीवुड ।

एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर का कहना है कि वो जिंदगी भर सिंगल रहेंगी। न ही वो किसी से शादी करेंगी और न ही किसी को डेट। एक्ट्रेस ने ये सब करने के पीछे एक इंटरव्यू में इस बात का खुलासा किया है। चलिए जानते हैं भूमि के ऐसा करने के पीछे आखिर क्या वजह है.. पर्सनल लाइफ के ऊपर बात करते हुए भूमि ने मीडिया को बताया कि वो किसी एक्टर को इसलिए डेट नहीं करना चाहती हैं, क्योंकि वो एक दूसरे को ज्यादा समय नहीं दे पाएंगे। साथ ही उन्होंने बताया कि वो जिंदगी भर शादी नहीं करना चाहती। इसके पीछे का कारण भूमि ने अपने समय को ज्यादा कीमती बताया है। भूमि ने अपने समय को ज्यादा कीमती बताया है। वहीं भूमि ने अपनी स्ट्रगलिंग लाइफ के ऊपर बताया कि उन्होंने अपने पिता को कैंसर की वजह से खो दिया। जब उनके पापा का निधन हुआ तो वो सिर्फ 18 साल की थी। इस परिस्थिती का सामना करना मुश्किल था। हमारी मां ने हमेशा हमारा साथ दिया हर कदम पर मां अकेले ही काफी थी। भूमि पेडनेकर ने कहा कि वो अपने परिवार को किसी योद्धा से कम नहीं समझती हैं। उन्होने काफी संघर्ष किया है।

काम की बात करें तो भूमि अब तक कई सुपरहिट फिल्मों में नजर आ चुकी है। एक्ट्रेस को आखिरी बार फिल्म पति पत्नी और व में देखा गया था। इन दिनों भूमि क्वारंटाइन समय बिता रहे हैं और सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं।

100 दिनों बाद मुंबई वापस लौटीं उतरन फेम टीना, लॉकडाउन के चलते गोवा में फंस गईं थी एक्ट्रेस

बॉलीवुड ।

कोरोना वायरस के कारण लॉकडाउन के चलते कई स्टार्स अपनी कर्मभूमि में फंस कर रह गए थे। लेकिन मई में कुछ रियायतें मिलने के बाद कई स्टार्स अपने-अपने घरों में लौट गए थे। लेकिन टीवी सीरियल उतरन फेम टीना दत्ता रियायतें मिलने के बावजूद भी घर नहीं पहुंच पाई थी। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि वो 100 दिनों बाद गोवा से अपने घर लौट गई हैं। हाल ही में टीना दत्ता ने बात करते हुए बताया कि, मैं फाइनली 100 दिनों गोवा से मुंबई वापस लौट गई हैं। मुंबई से वहां का माहौल काफी बेहतर था। मैं गोवा में थी तो सर्वाइव कर पायी। अगर मुंबई में होती और मुझे क्वारंटीन होना पड़ता। मैं मुंबई में अकेली रहती हूं, तो मैं लॉकडाउन में एक कमरे में ही कैद रहती।वहां मुझे पता नही चला कि मेरे 100 दिन कैसे बीत गए। वहां मैने आशिका और उनके पति के साथ खूब मजे किए और योगा सीखा। वहां मुझे पता नही चला कि मेरे 100 दिन कैसे बीत गए। वहां मैने आशिका और उनके पति के साथ खूब मजे किए और योगा सीखा। टीना ने बताया कि मैने फ्लाइट बुक करने की काफी कोशिश की, लेकिन ऐसा न हो पाने के कारण फ्रेंड के साथ कामर में आना पड़ा। गोवा से 12 घंटे का सफर कर आखिर मुंबई पहुंच ही गई।

सुष्मिता सेन ने खोला राज़! बताया 10 सालों तक बॉलीवुड इंडस्ट्री से क्यों थी दूर

बॉलीवुड ।

मिस युनिवर्स रह चुकी बॉलीवुड अभिनेत्री सुष्मिता सेन ने वेब सीरीज आर्या से कमबैक किया है। वह पिछले 10 सालों से एक्टिंग से दूर है। वेब सीरीज आर्या में एक बार फिर से अपनी दमदार एक्टिंग से उन्होंने कई लोगों का दिल जीत लिया है। उनकी इस वेब सीरीज को लोग काफी पंसद कर रहे है। एक हिंदी न्यूजपेपर को दिए इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि आखिर क्यों वह 10 सालों तक फिल्मी दुनिया से दूर रही। अभिनेत्री सुष्मिता सेन के इस वजह को जानकर आप उन्हें और भी ज्यादा पंसद करने लगेंगे। उन्होंने बताया कि उनके ये 10 साल काफी दिलचस्प रहे। 10 साल पहले उनकी बेटी अलीसा सिर्फ कुछ ही महीनों की थी और तब ही सेन ने ये तय कर लिया था कि वह फिल्मी दुनिया से ब्रेक ले लेंगी और अपनी बेटी अलीसा के साथ उनका बचपन बिताएंगी। ऐसा वह अपनी बड़ी बेटी के साथ नहीं कर पाई थी क्योंकि उस वक्त सेन लगातार 3 फिल्मों की शूटिंग कर रही थी। इसलिए उन्होंने इतना बड़ा फैसला लिया और अपनी छोटी बेटी अलीसा के साथ उनका बचपन बिताया। जब उनकी छोटी बेटी 5 साल की हुई तो सेन को बीमारी ने घेर लिया जिसके बाद वह अपने इलाज में व्यस्त हो गई। उस दौरान भी उन्हें कई ऑफर आएं लेकिन उन्हें स्क्रिप्ट पंसद नहीं आई। अब सेन बिल्कुल ठीक है और साथ ही उनकी छोटी बेटी भी 10 साल की हो गई है। सेन ने बताया कि उनके करियर के 20-30 साल काफी महत्वपूर्ण थे इसलिए वह सिर्फ बड़े पर्दो पर ही काम करना पसंद करती थी लेकिन अब वह सिर्फ कंटेंट पर भरोसा करती है। उनके मुताबिक प्लेटफॉर्म कोई भी हो अगर कंटेट अच्छा होगा तभी वह काम करना पंसद करेंगी। इस दौरान इंडस्ट्री में आउटसाइडर और इनसाइडर के ऊपर काफी बहस चल रही है। बता दें कि सुष्मिता सेन भी आउटसाइडर है। नेपोटिस्म को लेकर सेन ने कहा कि लोगअपनी आवाज तो उठा रहे है लेकिन इससे वह असली मुद्दे से भटक जाते है। नेपोटिस्म को लेकर सेन ने कहा कि लोगअपनी आवाज तो उठा रहे है लेकिन इससे वह असली मुद्दे से भटक जाते है। इससे लोगों को ही तकलीफ होती है। 26 साल बाद सुष्मिता सेन की फिल्मी जर्नी काफी कमाल की रही। उन्होंने बताया कि 18 साल तक की उम्र तक उन्होंने भारत के अलावा कोई और देश नहीं देखा था न ही कभी वह अकेले बाहर गई थी। उनको इंगिलश बोलना नहीं आता था। उनके मुताबिक उनकी असली पहचान भारत देश है। बता दें कि सुष्मिता सेन के पिता एयरफोर्स में थे, उन्होंने अपने पापा से यहीं तालीम ली थी कि जो कुछ भी करना, देश के लिए जरूर करना। उन्होंने बताया कि मिस युनिवर्स का खिताब जीतने के बाद से ही उन्होंने फिल्म से लेकर हर एक अनुभव को ईमानदारी से निभाया। जानकारी के मुताबिक सेन 18 साल की उम्र के बाद से 35 विदेशों की यात्रा कर चुकी है। सेन एक मां- और बाप दोनों का रोल बखूबी निभा रही है। उन्होंने इसको लेकर कहा कि सिंगल पैरंट के ऊपर जिम्मेदारियां काफी बढ़ जाती है क्योंकि आप दोनों रोल निभा रहे होते है। प्रैशर होता है लेकिन अगर आपको पता है कि आपकी प्राथमिकताएं क्या है तो आप उसके मुताबिक ही काम करने लगते है।

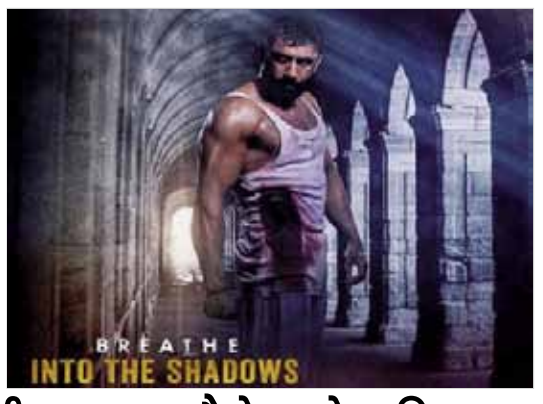

ब्रीद इनटू द शैडोज से अमित साध का लुक पोस्टर आया सामने!

नई दिल्ली। सीरीज के पहले चरण में शानदार अभिनय के लिए प्रशंसित अभिनेता अमित साध ने इंस्पेक्टर कबीर सावंत के रूप में अपनी भूमिका को दोहराया है। अबुदंतिया एंटरटेनमेंट द्वारा बनाई गई मनोवैज्ञानिक क्राइम थ्रिलर में सबके प्रिय अभिषेक बच्चन ऑन-स्क्रीन डिजिटल डेब्यू करेंगे। अमेजन प्राइम वीडियो आज ऑल-न्यू अमेजन ओरिजिनल सीरीज ब्रीद: इन द शैडो में अमित साध का फर्स्ट लुक जारी करके उत्साह का स्तर बढ़ा रहा है। नई सीरीज में इंस्पेक्टर कबीर सावंत की भूमिका निभा रहे अभिनेता को रहस्यमयी ढंग से जेल में देखा जाता है, जो दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ाता है। इंस्पेक्टर कबीर सावंत को जेल में क्यों रखा गया है? क्या यह सत्ता और छल का एक अमानवीय खेल था या क्या उसने गंभीरता से कोई अपराध किया है, जिसने उसे सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है? हालांकि हम इस नए मोड़ के पीछे का कारण नहीं जानते हैं, लेकिन यह निश्चित रूप से इस बहुप्रतीक्षित अपराध थ्रिलर के रहस्य में एक दिलचस्प परत जोड़ता है। अमेजन ओरिजिनल सीरीज ब्रीद: इन द शैडो से अभिषेक बच्चन और निथ्या मेनन डिजिटल डेब्यू कर रहे हैं, जिन्हें सैयामी खेर के साथ मुख्य भूमिकाओं में देखा जाएगा। यह शो 10 जुलाई 2020 को अमेजन प्राइम वीडियो पर 200 से अधिक देशों और क्षेत्रों में रिलीज किया गया है। इस अवसर पर बोलते हुए, अभिनेता अमित साध ने कहा, कबीर सावंत, एक नए गैर-कल्पनाशील अवतार के रूप में वापसी के लिए उत्साहित हूं। ब्रीथ और कबीर ने दुनिया भर के प्रशंसकों के साथ जुड़ाव किया है और इसकी थीम आप अपने चाहने वालों को बचाने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं, सबसे संबंधित है। सबसे संबंधित है। अभिषेक और नित्या के साथ में जुड़ने के साथ यह नई कहानी और भी खास हो गई है, इस समय, शैडो में हम आपको ब्रीथ की दुनिया में वापस ले जाने के लिए इंतजार नहीं कर सकते। यह सीरीज अबुंडेंटिया एंटरटेनमेंट द्वारा रचित और निर्मित है और मयंक शर्मा द्वारा रचित और निर्देशित है।

स्टार किड्स में कोई हुआ सुपरहिट तो कोई मिसफिट

मुंबई।

बॉलीवुड में भाई-भतीजावाद (नेपोटिज्म) के कारण स्टार किड्स को इंडस्ट्री में आसानी से इंट्री ने कई को स्टारडम की बुलंदियों पर पहुंचाया लेकिन बावजूद इसके कुछ ऐसे भी हैं जिन्हें शुरूआती दौर में सफलता तो जरूर मिली लेकिन वे इसे बरकरार रखने में असफल रहे।बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री में जहां एक तरफ स्ट्रगलर्स अपने दम पर कुछ बनने की कोशिश करते हैं। वहीं, मशूहर सितारों के बच्चे भी यहां भाग्य आजमाते हैं। कुछ स्टार्स का इतिहास यह भी रहा है कि जो अपने माता-पिता के स्टारडम के दम पर बॉलीवुड में आए ,लेकिन कुछ खास नहीं कर पाए। स्टारकिड होना न अपने आप मे खूबी है न खामी लेकिन यह सच है कि किसी आम इंसान की तुलना में स्टारकिड को फिल्मो में आसानी से ब्रेक मिल जाता है। स्टॉरकिड को सामने आम नायक की तुलना में अधिक कड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, क्योंकि दर्शको को उनसे ज्यादा उम्मीद होती है और उसकी तुलना दर्शक उसके पिता या मां से करने लगते है। बॉलीवुड में स्टारकिड्स का सिलसिला काफी पहले से ही चल रहा है। स्टारकिड के फिल्म इंडस्ट्री में आगमन का सिलसिला सबसे पहले अभिनेता पृथ्वीराज कपूर के पुत्र राजकपूर के आने से शुरू हुआ था। पृथ्वीराज कूपर यदि चाहते तो वह राजकपूर को फिल्म इंडस्ट्री से आसानी से ब्रेक दे सकते थे लेकिन उन्होंने संघर्ष को अधिक महत्व देते हुये राजकपूर को सलाह दी कि वह खुद अपने पैरो पर खड़ा हो इसलिये उन्होंने राजकपूर को निर्माता केदार शर्मा के क्लैपर ब्वॉय के रूप में काम करने की सलाह दी। बाद में राजकपूर अपनी मेहनत के बदौलत फिल्म इंडस्ट्री के शो मैन कहलाये ।इसी तरह पृथ्वी राज कपूर के दो अन्य पुत्र शम्मी कपूर और शशि कपूर ने भी अपने प्रयास से फिल्म इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाने में कामयाब रहे। बॉलीवुड अभिनेत्री और फिल्मकार शोभना समर्थ ने फिल्म हमारी बेटी से अपनी बेटी नूतन और फिल्म छबीली से तनुजा को लांच किया और दोनों ही अभिनेत्रियों ने सफलता का परहचम लहराया।सत्तर के दशक में राजकपूर ने अपने पुत्र रणधीर कपूर को वर्ष 1971 में प्रदर्शित फिल्म ..कल आज और कल .. के जरिये लांच किया। रणधीर कपूर ने न सिर्फ बतौर अभिनेता फिल्म इंडस्ट्री में प्रवेश किया बल्कि फिल्म का निर्देशन भी किया। रणधीर ने कुछ सफल फिल्मों में अपने अभिनय से दर्शको को मंत्रमुग्ध भी किया लेकिन उन्हें अपने भाई ऋषि कपूर जैसी सफलता नहीं मिली।फिल्म कल आज और कल के बाद रणधीर कपूर ने धरम करम, हिना,का निर्देशन किया साथ ही फिल्म प्रेमग्रंथ और आ अब लौट चले जैसी फिल्मों का निर्माण किया लेकिन इनमें हिना को छोड़कर कोई भी फिल्म कामयाब नही हो सकी इसको देखते हुये रणधीर कपूर ने फिल्म इंडस्ट्री से किनारा कर लिया। वहीं, राजकपूर ने पुत्र ऋषि कपूर को वर्ष 1973 में प्रदर्शित फिल्म ..बॉबी ..के जरिये फिल्म इंडस्ट्री में ब्रेक दिया ।युवा प्रेम कथा पर बनी फिल्म बॉबी ने न सिर्फ सफलता के नये कीर्तिमान स्थापित किये साथ ही बतौर अभिनेता ऋषि कपूर को भी फिल्म इंडस्ट्री में स्थापित कर दिया। ऋषि ने अपने दमदार अभिनय से चार दशक से अधिक समय तक दर्शकों के बीच अमिट पहचान बनायी।राजकपूर के तीसरे पुत्र राजीव कपूर ने भी फिल्म इंडस्ट्री में बतौर अभिनेता अपनी पहचान बनाने का प्रयास किया। अपने पुत्र को इंडस्ट्री में स्थापित करने के लिये राजकपूर ने वर्ष 1985 में फिल्म ..राम तेरी गंगा मैली ..का निर्माण किया। फिल्म ..राम तेरी गंगा मैली..बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट भी हुयी और राजीव के अभिनय को भी दर्शको द्वारा सराहा गया लेकिन इसके बाद राजीव ने जितनी भी फिल्मों में काम किया वह सफल नही रही ।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आरटीआई पर पुलिस का जवाब, दिल्ली हिंसा में 13 धार्मिक स्थलों को बनाया गया था निशाना

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

उत्तर-पूर्वी दिल्ली में फरवरी में हुए सांप्रदायिक दंगों के दौरान 13 धार्मिक स्थलों को नुकसान पहुंचाया गया था। पुलिस ने इन मामलों में 13 प्राथमिकी दर्ज की हैं और 33 लोगों को गिरफ्तार किया है। हिंसा के दौरान दोनों पक्षों के धार्मिक स्थलों को कम या अधिक नुकसान पहुंचा। दिल्ली पुलिस ने वकील यूसुफ नकी द्वारा सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत दायर किए गए अलग-अलग आवेदनों के जवाब में यह जानकारी दी है। ऋद्ध आवेदनों में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) के खिलाफ तथा इसके समर्थन में हुए प्रदर्शन के संबंध में दर्ज प्राथमिकियों की प्रति, गिरफ्तार लोगों के नाम भी मांगे गए थे। हालांकि पुलिस ने किसी भी आरोपी का नाम, प्राथमिकियों की प्रति और इन धार्मिक स्थलों का पता देने से इनकार किया। इसने बताया कि ष्ट्र के समर्थन और विरोध में हुए प्रदर्शनों तथा दंगों के सिलसिले में उत्तर पूर्वी दिल्ली के अलग-अलग थानों में 193 प्राथमिकियां दर्ज की गई हैं। इस बाबत 373 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त एवं जन सूचना अधिकारी एम.ए रिज़वी के हस्ताक्षर से जारी जवाब में बताया गया है कि सांप्रदायिक हिंसा के दौरान एक समुदाय विशेष के 11 धार्मिक स्थलों को क्षतिग्रस्त किया गया। पुलिस ने इन घटनाओं के संबंध में 11 प्राथमिकियां दर्ज की हैं और 31 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें से सात को जमानत मिल गई है। वहीं, चार मामलों में आरोपपत्र दाखिल कर दिए गए हैं। दूसरे आरटीआई आवेदन के जवाब में पुलिस ने बताया कि अन्य समुदाय विशेष के दो धर्मस्थलों को क्षतिग्रस्त किया गया। इस बाबत दो प्राथमिकियां दर्ज की गई हैं और दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इस संबंध में गिरफ्तार किसी भी आरोपी को ज़मानत नहीं मिली है जबकि एक मामले में आरोपपत्र दायर कर दिया गया है। अन्य आवेदन के जवाब में पुलिस ने बताया कि जाफराबाद, कर्दमपुरी और चांद बाग में सीएए के खिलाफ हुए प्रदर्शनों और दंगों के सिलसिले में ज्योतिनगर, दयालपुर और जाफराबाद थानों में कुल 190 प्राथमिकियां दर्ज की गई हैं और 357 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के पास इस बात की जानकारी नहीं है कि कितने गिरफ्तार लोगों को जमानत पर छोड़ा गया है, लेकिन पुलिस का कहना है कि 25 मामलों में आरोपपत्र दायर कर दिए गए हैं। आरटीआई आवेदन के जवाब में पुलिस ने बताया कि 23 फरवरी को मौजपुर चौक पर सीएए के समर्थन में हुए प्रदर्शन के सिलसिले में वेलकम थाने में तीन प्राथमिकियां दर्ज की गई हैं और 16 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें से सात को जमानत मिल गई है। पुलिस ने बताया कि उसने एक मामले में आरोपपत्र दायर कर दिया है।बता दें कि भाजपा नेता कपिल मिश्रा पर 23 फरवरी को इसी प्रदर्शन में भड़काऊ भाषण देने का आरोप लगा था जिसका कथित वीडियो वायरल हुआ था। उत्तर-पूर्वी दिल्ली में फरवरी के आखिर में सीएए को लेकर सांप्रदायिक दंगे भड़क गए थे, जिनमें 53 लोगों की मौत हो गई थी और 500 से ज्यादा लोग जख्मी हुए थे। संसद में दंगों पर चर्चा के दौरान मार्च में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बताया था।

संक्षिप्त समाचार

वंदे भारत मिशन चौथा चरण:भारतीयों के लिए 17 देशों से 170 विमानों का परिचालन करेगी एयर इंडिया

नेशनल डेस्क। एयर इंडिया वंदे भारत मिशन के चौथे चरण के तहत तीन से 15 जुलाई तक 17 देशों से 170 विमानों का परिचालन करेगी। सरकार ने विदेशों में फंसे भारतीयों की वापसी के लिए छह मई को इस मिशन की शुरुआत की थी। वैसे भारत में अंतर्राष्ट्रीय यात्री उड़ान सेवा कोरोना वायरस संक्रमण के कारण 23 मार्च से निलंबित है। एयर इंडिया के एक दस्तावेज के अनुसार मिशन के चौथे चरण में वह भारत से कनाडा, अमेरिका, ब्रिटेन, केन्या, श्रीलंका, फिलीपीन, किर्गिस्तान, सऊदी अरब, बांग्लादेश, थाइलैंड, दक्षिण अफ्रीका, रूस, ऑस्ट्रेलिया, म्यामां, जापान, यूक्रेन और वियतनाम को जोड़ने वाली 170 उड़ानों का परिचालन करेगी। उड़ानें तीन जुलाई से 15 जुलाई के बीच संचालित होंगी। दस्तावेज के अनुसार 38 उड़ानें भारत-ब्रिटेन मार्ग पर तथा 32 उड़ानें भारत-अमेरिका मार्ग पर संचालित होंगी। इसमें कहा गया है कि एयर इंडिया की 26 उड़ानें भारत और सऊदी अरब के बीच चलेंगी। गत 10 जून से शुरू होकर चार जुलाई तक चलने वाले मिशन के तीसरे चरण में एयर इंडिया 495 चार्टर्ड उड़ानों का परिचालन करेगी।

लॉकडाउनः मुंबई में लापरवाही से ड्राइविंग के चलते 46 लग्जरी गाड़ियां जब्त, 47 लोग गिरफ्तार

नेशनल डेस्क। मरीन ड्राइव पुलिस ने लॉकडाउन के दौरान पिछले दो महीनों में लापरवाही से गाड़ी चलाने को लेकर 46 लग्जरी वाहनों को जब्त किया और इस संबंध में 47 लोगों को गिरफ्तार किया गया। एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि इन वाहनों में 33 कारें और 13 मोटरसाइकिलें शामिल हैं। ये वाहन दक्षिण मुंबई में कफ परेड और शहर के अन्य पश्चिमी उपनगरों में रहने वाले कुछ कारोबारियों, नेताओं और संपन्न परिवारों के हैं। अधिकारी ने बताया कि मरीन ड्राइव पुलिस ने लापरवाही से गाड़ी चलाने के लिए 21 मामले दर्ज किए और 47 लोगों को गिरफ्तार किया। आरोपियों को पुलिस थाने से जमानत मिल गई लेकिन उन्हें अपने वाहनों को छुड़ाने के लिए अदालत जाना होगा। मरीन ड्राइव पुलिस थाने के वरिष्ठ निरीक्षक मृत्युंजय हीरेमथ ने कहा कि हमने इन वाहनों को जब्त कर लिया क्योंकि चालक लापरवाही से गाड़ी चला रहे थे।

मानसून में कोरोना पकड़ेगा रफ्तार

नई दिल्ली। देश में कोरोना केस लगातार बढ़ते जा रहे हैं। देश में कोरोना मरीजों की संख्या पांच लाख के पार हो गई है और 15 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं भारत में मानसून ने भी दस्तक दे दी है। ऐसे कोरोना पर मानसून का क्या असर पड़ेगा। स्वास्थ्य विशेषज्ञों चेतावनी भी दे चुके हैं कि भारत में अभी कोरोना का पीक आना बाकी है। कई रिपोर्ट्स में कहा भी गया था कि मानसून में कोरोना बढ़ेगा ही, घटेगा नहीं। वहीं अब दिल्ली एम्स के डॉयरेक्टर डॉ रणदीप गुलेरिया ने मानसून में कोरोना की स्थिति पर बात की। डॉ रणदीप गुलेरिया ने कहा कि मानसूनी बारिश के कारण देश में कोरोना वायरस में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा। उन्होंने कहा कि जब गर्मी का मौसम आया था तब भी कई लोगों ने दावा किया था कि कोरोना रूक जाएगा, लेकिन यह नहीं हुआ। ऐसे में बारिश के कारण कोरोना में बड़ा बदलाव होने की संभावना नहीं है। साथ ही डॉ गुलेरिया ने कहा कि अब डॉक्टरों को इलाज की प्रक्रिया बदलनी पड़ेगी क्योंकि अब डेंगू, चिकनगुनिया के मरीज बढ़ेंगे, जिनके लक्षण कोरोना जैसे ही होते हैं। बता दें कि पिछले दिनों विशेषज्ञों ने कहा था कि बारिश के कारण नमी बनी होती है, ऐसे में कोरोना हवा में ज्यादा समय तक टिका रह सकता है।

दुनियाभर में 1 करोड़ के पार हुई कोरोना संक्रमितों की संख्या

वॉशिंगटन। दुनियाभर में कोरोना संक्रमितों की संख्या 1 करोड़ से पार पहुंच गई है। दुनिया में इससे संक्रमित मरीजों की संख्या 10,000,578 पहुंच गई है। इसकी जानकारी वर्ल्डोमीटर ने अपनी वेबसाइट पर दी है। 180 दिन से पूरी दुनिया इसकी गिरफ्त में हैं। इस वायरस के बारे में चीन ने पहली बार 31 दिसंबर को वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन को जानकारी दी थी। तब चीन में 54 मामले थे। इसके तीन महीने बाद ही 200 से ज्यादा देशों की लगभग पूरी आबादी इसकी चपेट में आ गई। महामारी की शुरुआत बेशक चीन से हुई थी, लेकिन आज अमेरिका, ब्राजील, रूस, भारत और ब्रिटेन दुनिया के पांच सबसे संक्रमित देश हैं। इन देशों में संक्रमण के 53त्न यानी 53 लाख 28 हजार 449 मामले हैं। चीन में रोजाना मिलने वाले कोरोना के मामले 6 मार्च के बाद 100 से कम हो गए। तीन महीने में ही चीन ने करीब-करीब महामारी पर काबू पा लिया। यहां अब तक 83 हजार से ज्यादा मामले मिल चुके हैं, जबकि केवल 4634 लोगों की ही जान गई है। दुनियाभर में संक्रमित हुए 54 लाख से ज्यादा लोग ठीक हो चुके है। राहत की बात ये है कि रिकवरी रेट 54.08 प्रतिशत है। मतलब हर 100 में से 54 मरीज ठीक हो रहे हैं। दुनिया के 5 सबसे प्रभावित देशों में सबसे ज्यादा रिकवरी रेट रूस का 61.88त्न है। इसके बाद भारत का 58.08त्न, ब्राजील का 54.49त्न और अमेरिका का 41.86त्न है। ब्रिटेन में ठीक हुए मरीजों का आंकड़ा न मिलने की वजह से रिकवरी रेट का पता नहीं चल पाया। इसके बाद भारत का 58.08त्न, ब्राजील का 54.49त्न और अमेरिका का 41.86त्न है। ब्रिटेन में ठीक हुए मरीजों का आंकड़ा न मिलने की वजह से रिकवरी रेट का पता नहीं चल पाया। इस दौरान दुनियाभर में मरने वालों की संख्या पांच लाख से ज्यादा हो गई है। दुनिया का डेथ रेट 5.01 प्रतिशत है। पांच सबसे ज्यादा प्रभावित देशों में सबसे ज्यादा डेथ रेट ब्रिटेन का 14.03 है। इसके बाद अमेरिका का 4.99, ब्राजील का 4.38, भारत का 3.07 है। इसके बाद अमेरिका का 4.99, ब्राजील का 4.38, भारत का 3.07 है। दुनिया में सबसे कम डेथ रेट रूस का 1.42 है।

सुशांत सिंह राजपूत केसः संजय राउत ने पुलिस पूछताछ पर उठाए सवाल, बोले-सबका ध्यान इधर ही क्यों?

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

बॉलीवुड एक्टर सुशांत सिंह राजपूत के सुसाइड मामले में मुंबई पुलिस की जांच फिलहाल चल रही है। पुलिस ने अब तक सुशांत के दोस्तों से लेकर उसकी रूमर्ड गर्लफ्रेंड रिया चक्रवर्ती से पूछताछ की है। पुलिस इस केस को काफी गंभीरता से ले रही है। वहीं शिवसेना सांसद संजय राउत ने सवाल किया कि इस मामले में पुलिस लोगों से इतनी देर तक पूछताछ क्यों कर रही है। शिवसेना के मुखपत्र सामना में लिखे लेख में संजय राउत ने लिखा कि मुताबिक सुशांत सिंह राजपूत की खुदकशी ने उत्सव का रूप ले लिया है। राउत ने कहा कि सुशांत की मौत को लगभग महीना होने वाला है लेकिन फिर भी इसके बारे में बातें हो रही हैं। राउत का कहना है कि सुशांत की मौत के बाद देश में और भी बहुत कुछ हुआ लेकिन ऐसा क्यों है कि सबका ध्यान सुशांत पर ही है। राउत ने आगे सवाल उठाते हुए कहा, सुशांत प्रकरण में खोजा जाए, ऐसा क्या बचा है? पुलिस निश्चित तौर पर किसकी जांच कर रही है? मुखपत्र सामना में लिखा कि बीते कुछ समय से राजपूत अज्ञातवास में था, उसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। नाकामी की हताशा में उसने बांद्रा स्थित अपने घर में फांसी लगाकर अपनी जान ले ली लेकिन इससे बॉलीवुड की म्यूजिक इंडस्ट्री और परिवारवाद की हवा निकल गई। राउत ने कहा कि देश में चीनी हमले से 20 जवान शहीद हो गए, पुणे में रहने वाले राजेंश शिंदे नामक व्यक्ति ने लॉकडाउन में नौकरी जाने से अपनी पत्नी और दो बच्चियों के साथ मिलकर आत्महत्या कर ली। उस आत्महत्या की फाइल बंद हो गई है और फिर सुशांत की खुदकुशी पर शोर क्यों। बता दें कि मुंबई पुलिस के ष्ट्रष्टक्क अभिषेक त्रिमुखे ने मीडिया से बातचीत में कहा था कि वे सुशांत के सुसाइड के मामले की हर एंगल से जांच कर रहे हैं, अभी तक 27 लोगों की स्टेटमेंट रिकॉर्ड कर ली है गई है। सुशांत सिंह ने 14 जून को अपने अपार्टमेंट में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली थी।

देश की आंतरिक और बाहरी सुरक्षा हमारी प्राथमिकता : गडकरी

जयपुर। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को कहा कि देश की आंतरिक व बाह्य सुरक्षा केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार की प्राथमिकता है और इस दिशा में इन छह साल में जो काम हुआ है वह बीते 50 -60 साल में भी नहीं हुआ। गडकरी भारतीय जनता पार्टी की राजस्थान जनसंवाद वर्चुअल रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, ' देश की आतंरिक व बाह्य सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। हम पहले दिन से कहते आ रहे हैं कि राष्ट्रवाद हमारा ध्येय है। यह राष्ट्र सुखी बने, समृद्ध बने, संपन्न बने और शक्तिशाली बने। गांव गरीब मजदूर किसान का कल्याण हो। भय, भूख, आतंक व भ्रष्टाचार से मुक्त हिंदुस्तान बने यही विचार लेकर हमने काम किया है। इसलिए आज हमारी सभी सीमाएं सुरक्षित हैं। गडकरी ने कहा कहा, 'छह साल के अपने कार्यकाल में हमारी सरकार ने आंतरिक व बाह्य सुरक्षा के लिए जो काम किया है .. मैं विश्वास के साथ कहूंगा कि 50–60 साल में जो नहीं हो सका वह छह साल के अपने कार्यकाल में हमारी सरकार ने कर दिखाया। उन्होंने कहा, 'देश में आतंकवाद की घटनाएं नहीं के बराबर हैं। कानून व्यवस्था सुरक्षित है। माओवाद व आतंकवादी समाप्ति के कगार पर हैं और हमारे शूरवीर नौजवान देश की सीमाओं की रक्षा कर रहे हैं। पहली बार ऐसी स्थिति देश में बनाने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार को है। इस बात का हम सबको गर्व है।

टिड्डियों को नियंत्रित करने के लिए चलाया जा रहा अभियान, कई दलों को हरियाणा, उप्र में किया गया तैनात

नई दिल्ली। पाकिस्तान से आए टिड्डियों के दल ने पूरे देशभर में फसलों को नुकसान पहुंचाने के साथ ही किसानों और सरकारों की चिंताएं बढ़ा दी है। इसी को लेकर शनिवार को केंद्रीय कृषि मंत्रालय की ओर से स्थिति स्पष्ट की गई । मंत्रालय ने कहा कि राजस्थान से और दलों को हरियाणा और उत्तर प्रदेश में इन्हें रोकने के लिए चल रहे अभियान में तैनात किया गया है। टिड्डियों का दल दिन भर उड़ता रहता है और शाम को अंधेरा होने के बाद ही रुकता है। जमीन पर उन्हें नियंत्रित करने के लिए दल लगातार उनपर नजर बनाए हुए हैं और जब एक बार वो रुक जाएंगी तो उन्हें काबू में करने के लिए बड़ा अभियान चलाया जाएगा। मंत्रालय ने कहा कि इस संदर्भ में उत्तर प्रदेश में नियंत्रण दलों को सतर्क कर दिया गया है। राजस्थान, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में उन्हें नियंत्रित करने के लिए अभियान चल रहा है। राजस्थान से कुछ और नियंत्रण दलों को हरियाणा और उत्तर प्रदेश में टिड्डी नियंत्रण कार्यों में मदद करने के लिए भेजा जा चुका है। इसमें कहा गया कि झुंझुनू में 26 जून की सुबह टिड्डी दल देखा गया था और टिड्डियों को खत्म करने के लिए नियंत्रण दलों को तैनात किया गया था।

एलएसी पर चीन की चाल का खुलासा! मार्शल आर्ट के लड़ाकों ने किया था भारतीय सेना पर हमला

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

पूर्वी लद्दाख में भारत और चीन की सेना के बीच हुई झड़प को लेकर देश में आज भी गुस्सा है। इस खूनी झड़प में भारत ने अपने 20 जवानों को खो दिया था। हालांकि हमारे बहादुर जवानों ने भी मरते दम तक निहत्थे होने के बावजूद चीनी सैनिकों का डटकर सामना किया था। इस बीच खुलासा हुआ है कि हमारी सेना ने चीनी सेना से नहीं बल्कि मार्शल आर्ट में माहिर हत्यारों से लोहा लिया था। आधिकारिक सैन्य समाचार पत्र चाइना नेशनल डिफेंस न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक इस घटना से पहले ही तिब्बत की राजधानी ल्हासा में चीनी सेना ने पांच नए मिलिशिया डिवीजन को तैनात कर दिया था। इस डिवीजन में चीन के माउंट एवरेस्ट ओलंपिक टॉर्च रिले टीम के पूर्व सदस्यों के अलावा मार्शल आर्ट क्लब के लड़ाके शामिल थे। इससे साफ हो गया है कि इस झड़प के लिए चीन लंबे वक्त से प्लानिंग कर रहा था। दरअसल भारत और चीन के बीच 1996 में हुए समझौते के तहत दोनों देश के सैनिक सीमा पर

हथियारों का इस्तेमाल नहीं करते हैं. साथ ही गोला-बारूद फेंकने की भी इजाजत नहीं है। ऐसे में चीन ने मार्शल आर्ट में ट्रेन्ड जवानों को एलएसी पर तैनात कर दिया था, इसमें कुछ पर्वतारोही भी शामिल थे। बता दें कि मार्शल आर्ट युद्ध की एक पुरानी कला है। इसका इस्तेमाल आमतौर पर सेल्फ डिफेंस के लिए किया जाता है।

विजयवर्गीय के खिलाफ शेखावत के बयान पर गर्माई सियासत, शेखावत पर एक्शन ले सकती है पार्टी

भोपाल(एजेंसी)।

भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व विधायक भंवर सिंह शेखावत द्वारा राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय पर किए गए तीखे हमलों के बाद पार्टी में हड़कंप मच गया है। पूर्व विधायक शेखावत को भोपाल बुलाया गया है। बताया जा रहा है कि पहले उन्हें समझाइश दी जाएगी और यदि वे न समझे तो पार्टी उनके खिलाफ कोई सख्त एक्शन भी ले सकती है। कैलाश विजयवर्गीय और भंवर सिंह शेखावत के विवाद को लेकर प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा कि भंवर सिंह को भोपाल बुलाया गया है। पहले उन्हे समझाइश दी जाएगी। यदि वे नहीं माने तो पार्टी उन पर सख्त कार्रवाई करेगी आपको बता दें कि शेखावत ने कैलाश विजयवर्गीय पर आरोप लगाते हुए कहा कि कैलाश ने अपने बेटे आकाश विजयवर्गीय को राजनीति में स्थापित करने के लिए बीजेपी के कई नेताओं को हरवाया है। विजयवर्गीय कांग्रेस के लिए फडिंग करते हैं। आने वाले उपचुनावों में कैलाश से पार्टी को नुकसान हो सकता है। शेखावत के अनुसार, उन्होंने कैलाश की इन कारगुजारिओं के बारे में पार्टी वरिष्ठ से कई बार चर्चा की है लेकिन पार्टी उन पर कोई एक्शन नहीं लेती। पार्टी उन पर कोई एक्शन नहीं लेती। पार्टी उन पर कोई एक्शन नहीं लेती। शेखावत ने कहा कि पिछले विधानसभा चुनाव में न केवल मेरे, बल्कि कई सीटों पर बागी प्रत्याशी उतारकर उन्होंने पार्टी को हरवाया। अब वे उपचुनाव में ज्योतिरादित्य सिंधिया समर्थक प्रत्याशियों वाली पांच सीटों पर पार्टी को चुनाव हरवाकर अपनी हार का बदला लेना चाहते हैं। इसीलिए सांवेर, बदनावर सहित पांच सीटे चुनी है।

चीन के विरोध में डिलीवरी ब्वॉयज ने छोड़ी जोमैटो की नौकरी, कहा- जहां चीन का निवेश वहां नौकरी नहीं करे

कोलकाता(एजेंसी)।

लोगों के घरों तक भोजन पहुंचाने वाली ऐप आधारित कंपनी जोमैटो के कुछ कर्मचारियों ने गलवान घाटी में चीनी सैनिकों के साथ हिंसक झड़प में 20 भारतीय सैनिकों के शहीद होने पर, चीन के खिलाफ विरोध जताते हुए शनिवार को कोलकाता में कंपनी के टी-शर्ट फाड़े और जलाए। बेहाला में प्रदर्शन के दौरान उसमें शामिल कुछ लोगों ने दावा किया कि उन्होंने जोमैटो की नौकरी छोड़ दी है क्योंकि इसमें चीन का निवेश है। साथ ही, उन्होंने लोगों से जोमैटो के जरिये भोजन का ऑर्डर नहीं करने का अनुरोध किया। गौरतलब है कि चीन की कंपनी अलीबाबा से जुड़े एंट फाइनेंशियल ने 2018 में जोमैटो में 21 करोड़ डॉलर का निवेश कर उसकी 14.7 प्रतिशत साझेदारी (शेयर) खरीद ली थी। जोमैटो ने हाल ही में एंट फाइनेंशियल से 15 करोड़ डॉलर की राशि फिर से जुटाई है। प्रदर्शन में शामिल एक व्यक्ति ने कहा, ''चीनी कंपनियां यहां से मुनाफा कमा रही हैं और हमारे सैनिकों पर हमले कर रही हैं। वे हमारी भूमि हथियाना चाहती हैं। ऐसा नहीं होने दे सकते। गौरतलब

है कि मई में जोमैटो ने अपने 13 प्रतिशत कर्मचारियों, 520 लोगों को कोविड-19 महामारी का हवाला देकर नौकरी से निकाल दिया था। जोमैटो से इस संबंध में तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है। और नाही इस बारे में कोई जानकारी मिली है कि प्रदर्शन करने वाले लोग कहीं नौकरी से निकाले गए कर्मचारी तो नहीं हैं।

मुंबई पुलिस की अपील- खुद को बचाना है तो दो किलोमीटर के दायरे से ना निकलो आगे

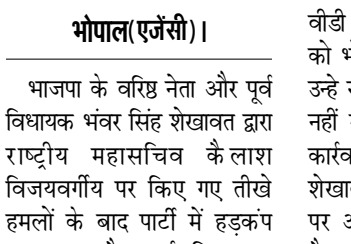

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

मुंबई पुलिस ने शहर के निवासियों से कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए व्यायाम करने या दुकानों और सैलूनों में जाने के लिए अपने घरों से दो किलोमीटर के दायरे से आगे न जाने का रविवार को अनुरोध किया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि केवल कार्यालय जाने या आपात स्थिति में इलाज कराने के लिए ही दो किलोमीटर के दायरे से आगे जाने की अनुमति है। खरीददारी के लिए अपने घरों से दो किलोमीटर के दायरे से बाहर जाने पर सख्त मनाही है। मुंबई पुलिस ने निवासियों से निजी सुरक्षा और सामाजिक दूरी के नियमों का पालन करने की अपील की। ऐसा न करने पर वह दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी। अधिकारी ने बताया कि निवासी यह सुनिश्चित करें कि केवल आवश्यक सेवाओं के लिए ही वे घरों से बाहर निकलें। बाहर निकलते समय चेहरे पर मास्क लगाना अनिवार्य है और अगर लोग बाजार, सैलून, नाई की दुकानों तक जा रहे हैं तो यह उनके आवास से दो किलोमीटर के दायरे में ही होना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसी तरह व्यायाम के मकसद से घर से बाहर दो किलोमीटर के दायरे में किसी खुले स्थान पर ही जाने की अनुमति है। अधिकारी ने बताया कि महाराष्ट्र सरकार के 'मिशन बिगिन अगेन के तहत कई गतिविधियों को मंजूरी दी गई है लेकिन कोरोना वायरस का खतरा अब भी बना हुआ है। यह पूरी तरह जरूरी है कि हम निजी सुरक्षा और सामाजिक दूरी के नियमों का पालन करें। शहर में कई लोग इन नियमों का उल्लंघन करते हुए पाए गए हैं और ऐसा करके वे अपने साथ-साथ दूसरे लोगों के स्वास्थ्य को भी खतरे में डाल रहे हैं। पुलिस ने सभी नागरिकों से राज्य सरकार द्वारा जारी लॉकडाउन दिशा निर्देशों का सख्ती से पालन करने की अपील की है।

अधिकारी ने कहा कि सामाजिक दूरी के नियमों का हर समय पालन किया जाए और इनका उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि सामाजिक दूरी के दिशा निर्देशों पालन न करने वाली दुकानों और बाजारों को बंद कर दिया जाएगा। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि रात नौ बजे से सुबह पांच बजे तक रात के कर्फ्यू के दौरान लोगों की आवाजाही पर पाबंदी होगी और उन्हें केवल आवश्यक सेवाओं के लिए आने-जाने की अनुमति होगी। उन्होंने बताया कि अपने स्थानीय इलाकों में बिना किसी वैध वजह के सड़कों पर दौड़ते पाए गए वाहनों को जब्त कर लिया जाएगा। यह हमारी विनम्र अपील है कि सभी नागरिक जिम्मेदारीपूर्वक व्यवहार करें और अनावश्यक आवाजाही से बचें। कोविड-19 को हराने की जिम्मेदारी हम सभी की है और हम हर समय निजी सुरक्षा और सामाजिक दूरी के दिशा निर्देशों का पालन करके ही इसे हासिल कर सकते हैं।

शादी में बुलाए 50 से ज्यादा लोग, दूल्हे समेत 16 निकले कोरोना पॉजिटिव...लगा 6 लाख रुपए जुर्माना

नेशनल डेस्क। राजस्थान के भीलवाड़ा में कोरोना वायरस की महामारी के दौरान एक शादी में शामिल हुए कई लोगों की जान पर बन आई है। इस शादी में शामिल हुए 16 लोगों के अब तक संक्रमित होने की पुष्टि हो चुकी हैं जिनमें से एक की मौत हो गई है जबकि 58 लोग क्वारंटाइन में हैं। जिला प्रशासन ने न सिर्फ परिवार के खिलाफ मामला दर्ज किया है बल्कि छह लाख रुपए से अधिक का जुर्माना भी तीन दिन में भरने को कहा है। दरअसल शहर के भदादा मोहल्ले में घीसूलाल राठी के बेटे रिजुल की शादी 13 जून को हुई थी। परिवार वालों ने प्रशासन से मंजूरी ली तो उन्हें अधिक से अधिक 50 लोगों को बुलाने की शर्त पर अनुमति दी गई, लेकिन शादी में निर्धारित संख्या से अधिक लोग शामिल हुए। सबसे बड़ी दिक्कत तब शुरू हुई जब बाद में दूल्हे सहित 16 लोग कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए। इनमें से एक संक्रमित की मौत हो चुकी है। उल्लेखनीय है कि कोरोना वायरस संक्रमण पर प्रभावी नियंत्रण के लिए भीलवाड़ा मॉडल की चर्चा देशभर में हुई थी। जिला प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाते हुए परिवार के खिलाफ आपदा प्रबंधन कानून की धारा-51 व आम लोगों का जीवन खतरे में डालने के लिए भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज करवाया है। जिलाधिकारी राजेंद्र भट्ट द्वारा जारी आदेश के अनुसार शादी में 50 से ज्यादा लोगों को आमंत्रित किया गया और शादी कार्यक्रम के दौरान कोरोना वायरस संक्रमण से बचाव के नियमों (सामाजिक दूरी, मास्क पहनने) का भी पालन नहीं किया गया। इस शादी में शामिल लोगों में संक्रमण का पहला मामला 19 जून को सामने आया जबकि अब तक कुल 16 लोगों के संक्रमित होने की पुष्टि हो चुकी है जिनमें से एक की मौत भी हो चुकी है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गलवान झड़प के बाद अपने ही देश में घिरा चीन, राष्ट्रपति शी के खिलाफ फूटा जनता का गुस्सा

बीजिंग (एजेंसी)।

लद्दाख की गलवान घाटी में भारत-चीन सीमा पर हुई हिंसक झड़प के बाद चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग पर अपने ही देश में उंगलियां उठ रही हैं। चीन ने घटना में मारे गए कई सैनिकों के नाम अभी तक उजागर नहीं किए हैं, जिसको लेकर उसे सैनिकों के परिजनों के गुस्से का सामना करना पड़ रहा है। अमेरिकी मीडिया ब्रेइटबार्ट न्यूज की एक रिपोर्ट के मुताबिक चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के फैसले की वजह से सैनिकों के परिजन काफी परेशान हैं। वह लगातार सोशल मीडिया पर अपने जवानों को लेकर सवाल पूछ रहे हैं, जिन्हें शांत करा पाने में चीनी सरकार नाकाम हो रही है। रिपोर्ट में बताया गया है कि गलवान घाटी में मारे गए चीनी सैनिकों के बाद कई सैनिकों के परिजनों ने चीन की सोशल मीडिया साइट्स वीबो और अन्य पर शी जिनपिंग की सरकार के खिलाफ गुस्सा जाहिर कर रहे हैं। वह लगातार सरकार से कह रहे हैं कि चीनी सरकार सैनिकों के नाम बताए, जो घटना में मारे गए। बता दें कि 15 जून को गलवान घाटी में हुई झड़प में 20 भारतीय सैनिक शहीद हो गए थे। इसके अलावा चीन के 40 से ज्यादा सैनिक भी मारे गए, लेकिन जिनपिंग सरकार ने अभी तक इसे स्वीकार नहीं किया। हालांकि, चीन ने कुछ कमांडरों के मारे जाने की बात जरूर स्वीकार की थी। झड़प के बाद चीनी सरकार के मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स के एडिटर इन चीफ ने जरूर माना था कि उनके देश के कई सैनिकों को भारत ने मार गिराया है। उन्होंने ट्वीट किया था कि जहां तक मुझे जानकारी है, चीनी पक्ष के सैनिक भी घटना में हताहत हुए हैं। भारत और चीन के बीच मई महीने की शुरुआत में सीमा को लेकर विवाद शुरू हुआ था। जब पांच मई को पेंगोंग झील क्षेत्र में भारत और चीन के लगभग 250 सैनिकों के बीच लोहे की छड़ों और लाठी-डंडों से झड़प हो गई।

रूस ने दी सफाई: नाटो सैनिकों की हत्या के लिए तालिबान को पैसे देने के आरोप झूठे

मॉस्को (एजेंसी)।

रूस ने अफगानिस्तान में तैनान अमेरिका और उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के सैनिकों की हत्या के लिए तालिबान आतंकवादियों को पैसे की पेशकश करने के आरोपों का खंडन किया है। अमेरिका की कई मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि एक रूसी सैन्य खुफिया इकाई ने तालिबान आतंकवादियों को अफगानिस्तान में अमेरिकी सैनिकों और नाटो गठबंधन के अन्य सदस्यों को मारने के लिए पैसे की पेशकश की थी। रूस ने अमेरिका के नेतृत्व वाले नाटो बलों पर हमले के लिए तालिबान को पैसे देने संबंधी मीडिया रिपोर्ट का खंडन किया है जिनमें कहा गया है कि आतंकवादी संगठन को सैनिकों की हत्या के लिए इनाम भी दिये गये। रूस ने शनिवार को एक ट्वीट में आरोपों की निंदा करते इसे बेबुनियाद और अस्पष्ट बताया। ट्वीट में कहा गया है कि इन आरोपों से अमेरिका के वाशिंगटन और ब्रिटेन के लंदन स्थित रूसी दूतावासों के कर्मचारियों का जीवन प्रत्यक्ष खतरे की जद में आ गये हैं। तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने भी आरोपों को निराधार बताया। उन्होंने कहा कि लोगों को निशाना बनाकर उनकी हत्या और अन्य तरह के हत्या कांड कई वर्षों से चल रहे हैं और हमने उन्हें अपने संसाधनों के बूते अंजाम दिया है। मुजाहिद ने कहा कि फरवरी में चरणबद्ध रूप से सेना की वापसी करने और प्रतिबंध हटाये जाने पर सहमति बनने के बाद तालिबान ने अमेरिका और नाटो सेना पर हमला करना बंद कर दिया था। इसके बदले तालिबान ने कहा था कि वे चरमपंथी समूहों को उन क्षेत्रों में काम करने की अनुमति नहीं देंगे जो संगठन के नियंत्रण में हैं।

पाकिस्तान के गिलगित बाल्तिस्तान में 18 अगस्त को होंगे आम चुनाव

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान की शीर्ष अदालत के अनुमति देने के बाद सरकार ने गिलगित बाल्तिस्तान में 18 अगस्त को आम चुनाव कराने की घोषणा की है। भारत और पाकिस्तान के बीच इस क्षेत्र को लेकर विवाद है भारत इसे अपना क्षेत्र मानता है। पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय ने सरकार को क्षेत्र में आम चुनाव कराने के लिए 30 अप्रैल को 2018 के प्रशासनिक आदेश में संशोधन करने की अनुमति दे दी थी। राष्ट्रपति भवन के एक बयान के अनुसार राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने गिलगित-बाल्तिस्तान (जीबी) विधानसभा में 18 अगस्त 2020 को आम चुनाव कराने की शनिवार को मंजूरी दे दी। बयान के अनुसार जीबी चुनाव आयोग 24 विधानसभा सीटों पर चुनाव कराएगा। भारत ने पिछले महीने नई दिल्ली में एक वरिष्ठ पाकिस्तानी राजनयिक को एक आपत्तिपत्र जारी करते हुए शीर्ष अदालत के फैसले का विरोध किया था। भारत ने पाकिस्तान को यह भी स्पष्ट रूप से बता दिया था कि केन्द्र शासित क्षेत्र जम्मू-कश्मीर और लद्दाख का पूरा क्षेत्र जिसमें गिलगित और बाल्तिस्तान भी शामिल है, वह देश का अभिन्न हिस्सा है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तान की सरकार या उसकी न्यायपालिका के पास ''अवैध रूप से और जबरन'' कब्जे वाले क्षेत्रों पर कोई फैसला सुनाने का अधिकार नहीं है।

राष्ट्रपति अल्वी ने पिछले महीने एक कार्यवाहक सरकार बनाने और पाकिस्तान के चुनाव अधिनियम 2017 के गिलगित-बाल्तिस्तान में विस्तार के लिए एक आदेश जारी किया था। जीबी विधानसभा को उसका कार्यकाल पूरा होने के बाद 24 जून को भंग कर दिया गया था।

मलावी में अदालत के ऐतिहासिक फैसले के बाद विपक्षी दल ने जीता राष्ट्रपति चुनाव

लिलोंग्वे (एजेंसी)।

मलावी में अदालत के ऐतिहासिक फैसले के बाद दोबारा कराए गए राष्ट्रपति चुनाव में विपक्षी दल ने जीत हासिल की है। अफ्रीका में पहली बार अदालत के चुनाव को पलट देने के बाद किसी निवर्तमान नेता की हार हुई है। लाजर मैकार्थी चकवेरा द्वारा शनिवार को हासिल की गई यह जीत महीनों से दक्षिण अफ्रीकी देश में सड़कों पर जारी प्रदर्शन और संवैधानिक न्यायालय के उस फैसले का नतीजा है, जिसमें उसने कहा था कि मई 2019 में हुए चुनाव में व्यापक अनियमितताओं को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। राष्ट्रपति पीटर मुथारिका ने दोबारा चुनाव कराने के निर्णय को शनिवार को ''मलावी के इतिहास में सबसे खराब'' करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके पार्टी कार्यकताओं को मंगलवार को हुए चुनाव के दौरान धमकाया गया और उनके साथ मारपीट की गई, लेकिन मलावी मानवाधिकार आयोग के पर्यवेक्षकों ने मतदान को शांतिपूर्ण और पारदर्शी करार दिया। चकवेरा ने 58 प्रतिशत मत (26 लाख वोट) के साथ चुनाव में जीत हासिल की है। वहीं, कुल 44 लाख में से मुथारिका को 17 लाख वोट ही मिले। जीत के बाद चकवेरा ने पत्रकारों से कहा, ''मैं इतना खुश हूं कि रातभर नाच सकता हूं।'' एपी निहारिका नेत्रपाल नेत्रपाल निहारिका 2806 1029 लिलोंग्वे

संक्षिप्त समाचार

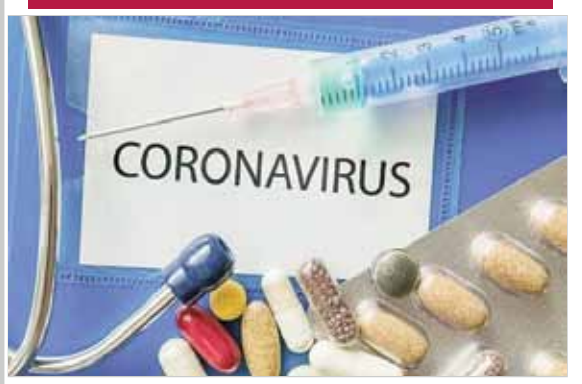

कोरोना वायरस: संक्रमण रोधी दवाओं की आपूर्ति के लिए तैयार रूस

मॉस्को। रूस कोरोना वायरस की महामारी के दूसरे दौर के खतरे के मद्देनजर इसके संक्रमितों के इलाज में काम आने वाली दवाओं की अंतरराष्ट्रीय बाजार में आपूर्ति के लिए तैयार है। स्वास्थ्य मंत्री मिखाइल मुराशको ने रविवार को यह जानकारी दी। श्री मुरास्को ने एक ऑनलाइन हेल्थ केयर इवेंट में कहा, कोरोना की महामारी के दूसरे दौर के खतरे के मद्देनजर रूस अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाइपरसिटोकानिमिया के उपचार में काम आने वाली दवा, टेस्ट किट तथा अन्य संक्रमण रोधी दवाओं की आपूर्ति के लिए तैयार है।

पाकिस्तान में कोविड-19 के मामले दो लाख के पार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में पिछले 24 घंटे में कोविड-19 के 4,072 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमण के मामले बढ़कर 2,00,000 के पार हो गए हैं। वहीं, इस दौरान 83 और लोगों की जान जाने से मरने वालों की संख्या बढ़कर 4,118 हो गई है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा मंत्रालय के अनुसार 2,02,955 मामलों में से सिंध में सबसे अधिक 78,267 मामले सामने आए हैं। पंजाब में 74,202 , खैबर पख्तूनख्वा में 25,380, इस्लामाबाद में 12,395, बलूचिस्तान मे 10,261, गिलगित-बाल्तिस्तान में 1,423 और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में 1,027 मामले सामने आए हैं। इसने बताया कि पिछले 24 घंटे में 83 और लोगों की जान जाने के बाद देश में संक्रमण से मरने वालों की संख्या 4,118 हो गई है। वहीं, 2,805 संक्रमित लोगों की हालत गंभीर है। मंत्रालय ने बताया कि अभी तक 92,624 लोग ठीक हो चुके हैं। इसने बताया कि देश में अभी तक 12,39,153 लोगों की कोविड-19 की जांच की गई है, जिनमें से 25,013 लोगों की जांच पिछले 24 घंटे में की गई। दुनियाभर में अभी तक कोविड-19 के 99 लाख से अधिक मामले सामने आए हैं और 4,98,00 से अधिक लोगों की इससे जान गई है।

गर्मी में कोरोना वायरस कमजोर होने के दावे गलत साबित, 3 महीने में बढ़े 90फीसदी केस

इंटरनेशनल डेस्क। कोरोना वायरस के कारण पूरी दुनिया बेहाल है। चीन में दिसंबर से शुरू हुई कोरोना महामारी 6 महीनों में 216 देशों में पैर पसार चुकी है छह माह पूरे होने के साथ ही इसके मरीजों की तादाद एक करोड़ के पार हो गई है। वर्ल्डोमीटर के मुताबिक, देर रात कोरोना के मरीजों की संख्या एक करोड़ से भी 51 ज्यादा हो गई। दरअसल, गर्मी में वायरस कमजोर होने के सारे अनुमान गलत साबित हुए और जून में हर दिन सवा लाख से ज्यादा मरीज मिल रहे हैं। कोरोना के 67 फीसदी यानी दो तिहाई से ज्यादा मरीज तो सिर्फ मई और जून में सामने आए। मई में रोज औसतन करीब एक लाख और जून में रोज औसतन एक लाख 35 हजार मरीज मिल रहे हैं। वहीं, 90 फीसदी कोरोना के केस अप्रैल-मई-जून में सामने आए हैं। कोरोना ने मार्च में सबसे ज्यादा एक लाख 90 हजार से ज्यादा जानें ली। उस वक्त इटली, फ्रांस, स्पेन में महामारी चरम पर थी और अमेरिका में उसका कहर बरपाना शुरू हो गया था। मई-जून में मामले तो बढ़े हैं, लेकिन उनमें 60 फीसदी से ज्यादा बिना लक्षण वाले मरीज हैं, ऐसे में मौतों पर कुछ हद तक कमी आई है। दुनिया में छोटे बड़े ऐसे 38 देश हैं, जो कोरोना पर जीत पा चुके हैं या उसके करीब हैं। जबकि तवालु, वनातु, सोलोमन आईलैंड जैसे नौ छोटे द्वीपीय देश है, जहां कोरोना नहीं पहुंचा।न्यूजीलैंड भी पिछले हफ्ते कोरोना मुक्त हुआ था, लेकिन फिर नए मामले सामने आए। भारत के पड़ोसी देश भूटान, श्रीलंका और म्यांमार ने कोरोना पर सफलता पा ली है। भूटान में जहां एक भी एक्टिव मरीज नहीं है, वहीं श्रीलंका में नौ और म्यांमार में एक मरीज ही भर्ती है।

राष्ट्रपति जैक्सन की प्रतिमा पर हमले के संबंध में 4 लोगों पर मामला दर्ज

वाशिंगटन। व्हाइट हाउस के समीप गत सप्ताह पूर्व राष्ट्रपति एंड्रयू जैक्सन की प्रतिमा हटाने की असफल कोशिश के संबंध में चार लोगों पर मामला दर्ज किया गया है।अधिकारियों ने शनिवार को एक शिकायत में आरोप लगाया कि इन लोगों ने लफायेत स्क्वेयर के समीप गत सोमवार को जैक्सन की प्रतिमा क्षतिग्रस्त करने और हटाने की कोशिश की थी। जॉर्ज फ्लॉयड की मिनियापोलिस में पुलिस हिरासत में मौत के बाद यह स्क्वेयर प्रदर्शन स्थल बन गया। जिन लोगों पर आरोप लगाए गए हैं उनमें वर्जीनिया का ली माइकल कैंटरेल (47), वाशिंगटन का मैथ्यू जुड (20), मैरीलैंड का रयान लेन (37) और मेन का ग्राहम लॉयड (37) शामिल है। जुड को शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया और वह शनिवार को डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया की अदालत में पेश हुआ। बाकी तीन को अभी नहीं पकड़ा गया है। एफबीआई और यूएस पार्क पुलिस इस घटना की जांच कर रही हैं।

खराब मौसम के कारण वेगा रॉकेट का प्रक्षेपण टला

पेरिस। फ्रांस में 13 देशों के 53 छोटे उपग्रहों के साथ वेगा वाहक रॉकेट के प्रक्षेपण को खराब मौसम के कारण स्थगित कर दिया गया । प्रक्षेपण सुविधा प्रदाता बहुराष्ट्रीय कंपनी एरियन स्पेस ने बयान जारी कर यह जानकारी दी। कंपनी ने कहा, गुयाना अंतरिक्ष केंद्र के ऊपर से तेज हवाएं चलने के कारण एरियन स्पेस ने शनिवार को फ्लाइट वीवी16 के लिए उल्टी गिनती नहीं शुरू करने का फैसला किया। कंपनी के अनुसार आज एक बार फिर इसे प्रक्षेपित करने की कोशिश की जाएगी। जाएगा। अंतरिक्ष केंद्र ने कहा, वेगा प्रक्षेपण यान और 13 देशों के 21 ग्राहकों के उसके 53 अंतरिक्ष यान सुरक्षित परिस्थितियों में हैं। उल्लेखनीय है कि फ्रेंच गुयाना के कौरौ स्थित गुयाना अंतरिक्ष केंद्र से 18 जून प्रक्षेपित होने वाले वेगा अंतरिक्ष यान का प्रक्षेपण कई बार स्थगित हो चुका है यह जुलाई 2019 के बाद वेगा रॉकेट का पहला प्रक्षेपण होगा, जब दूसरे चरण की मोटर की विफलता के कारण संयुक्त अरब अमीरात के लिए 'फाल्कन आई1 अर्थ ऑब्जर्वेशन' अंतरिक्ष यान नष्ट हो गया था।

भतीजी की किताब पर रोक लगाना चाहते हैं ट्रंप के भाई रॉबर्ट, दूसरी अदालत में दी अर्जी

न्यूयॉर्क (एजेंसी)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भाई ने अपनी भतीजी की एक किताब के प्रकाशन पर रोक लगाने के लिए अन्य अदालत का रुख किया है । इससे पहले किताब पर रोक लगाने के लिए न्यूयॉर्क के एक न्यायाधीश ने उनकी अर्जी को ठुकरा दिया था। इस किताब में ट्रंप परिवार के बारे में कई सनसनीखेज किस्से हैं । रॉबर्ट ट्रंप के वकील ने कहा कि उनकी और राष्ट्रपति ट्रंप की भतीजी मैरी ट्रंप ने करीब दो दशक पहले ट्रंप परिवार के कुछ सदस्यों के साथ एक कानूनी पत्र पर दस्तखत किया था । इसमें एक शर्त यह भी थी कि वह किताब का प्रकाशन नहीं कराएंगी। उन्होंने बताया कि इसके तहत मैरी ट्रंप को वित्तीय लाभ देने का समझौता भी हुआ था । न्यूयॉक में एक अदालत के न्यायाधीश पीटर केली ने बृहस्पतिवार को रॉबर्ट ट्रंप की अर्जी को खारिज करते हुए कहा कि मामले पर सुनवाई अदालत के अधिकार क्षेत्र में नहीं है। इसके बाद रॉबर्ट ट्रंप के वकीलों ने शुक्रवार को डचेज काउंटी, न्यूयॉर्क में सुप्रीम कोर्ट में एक अर्जी दाखिल की। रॉबर्ट ट्रंप के वकील चार्ल्स हार्डर ने शनिवार को एक बयान में कहा, ''मैरी ट्रंप ने 20 साल तक समझौते से वित्तीय लाभ हासिल किया और अब किताब लाकर वह समझौते का उल्लंघन कर रही हैं।'' मैरी ट्रंप राष्ट्रपति के बड़े भाई फ्रेड ट्रंप जूनियर की बेटी हैं। फ्रेड ट्रंप जूनियर का 1981 में निधन हो गया था। अपनी किताब के बारे में मैरी ट्रंप ने इस तरह ऑनलाइन विवरण दिया है, ''मेरे परिवार ने कैसे दुनिया के सबसे खतरनाक शख्स को तैयार किया।''

उनका कहना है कि यह किताब 'यातना, संबंधों में कटुता, दुर्व्यवहार और उपेक्षा' के बारे में बयां करती है। मैरी ट्रंप के वकील थिओडोर बोटरस ने एक बयान में कहा कि नया मुकदमा दर्ज किया जाना ट्रंप परिवार द्वारा उनके किताब के प्रकाशन को रोकने की एक और निराधार कोशिश है ।

न्यूयार्क टाइम्स की रिपोर्ट: चीन की आक्रामकता खतरे की घंटी, अमेरिका से टकराव तय

वॉशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिका के प्रमुख अखबार न्यूयॉर्क टाइम्स में अमेरिका-चीन तनाव को लेकर चौंकाने वाली रिपोर्ट सामने आई है। न्यूयॉर्क टाइम्स की इस रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अमेरिका और चीन के बीच सैन्‍य संघर्ष तय है। रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन की आक्रामकता व विस्‍तारवादी नीति भविष्‍य में एक नए खतरे की घंटी है। अगर चीन का यही रुख रहा तो भविष्‍य में अमेरिका और चीन के बीच टकराव तय है।जिस तरह से चीन ने हिमालय से लेकर दक्षिण चीन सागर तक आक्रामक तरीके से दावेदारी पेश की है, उससे लगता है कि चीन संघर्ष करने के पूरे मूड में है। रणनीतिकारों की नजर में इसका एक बड़ा उदाहरण यह भी है कि जब अमेरिका समेत पूरी दुनिया कोरोना महामारी से जूझ रही है, चीन ने पड़ोसी देशों के साथ कई सैन्य मोर्चे खोल दिए हैं। वह पड़ोसियों के साथ सीमा का अतिक्रमण कर रहा है। इस अतिक्रमण में बीजिंग अपने सैन्‍य ताकत का इस्तेमाल कर रहा है। चीन के इस इरादे ने पूरे एशिया और वाशिंगटन में एक नए संकट की घंटी बजा दी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन ने पूर्वी लद्दाख में भारतीय सैनिकों के साथ बढ़ रहे विवाद के एक हफ्ते के भीतर जापान के निकट अपनी पनडुब्‍बी तैनात कर दी। इसी बीच चीन के बमवर्षक विमान ताइवान के क्षेत्रीय हवाई क्षेत्र में गरज रहे थे। चीन ने एक साथ तीन मोर्चे पर अपनी सैन्‍य मोर्चों को खोल दिया। ऐसा करके चीन ने अपना इरादा साफ कर दिया।

खास बात यह है कि दक्षिण चीन सागर में चीन का मुकाबला करने के लिए अमेरिका ने भी इस क्षेत्र में अपनी सैन्य गतिविधियां बढ़ा दी हैं। अमेरिका ने दक्षिण चीन सागर के माध्यम से अमेरिकी युद्धपोतों को ताइवान की ओर रवाना किया है। अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ की चीन ने शीर्ष राजनयिक यांग जीची से मिलने के बाद अमेरिका ने ताइवान को सैन्‍य मुद्दों के लिए समर्थन बढ़ाया है। उधर, चीन ने इस क्षेत्र में तनाव के लिए संयुक्त राज्य को दोषी ठहराया है। चीन ने अमेरिकी सेना पर नियमित रूप से उस क्षेत्र में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाया, जहां उसके कोई क्षेत्रीय दावे नहीं हैं। चीन ने ताइवान के पास अपनी सैन्य गतिविधि को आगे बढ़ाते हुए बीजिंग ने दक्षिण चीन सागर में अपने दावों का विस्‍तार किया है। इस क्रम में वह दो नए प्रशासनिक क्षेत्रों को विकसित कर रहा है, जो यहां के द्वीपों और अन्य पड़ोसियों को नियंत्रित करने में सहायक होगा। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में युद्ध कालीन स्थिति में चीनी नौसेना से निपटने के लिए अमेरिकी नौसेना की क्षमता के लिए एक बड़ी चुनौती होगी।

हर पांच में दो भारतीय-अमेरिकी आर्थिक स्थिरता को लेकर चिंतित : सर्वेक्षण

वाशिंगटन। कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के असर के बारे में अपनी तरह के पहले सर्वेक्षण में कहा गया है कि हर पांच में दो भारतीय-अमेरिकी कोविड-19 के कारण अपनी दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता को लेकर चिंतित हैं लेकिन लगभग सभी लोग अपनी जीवनशैली में बदलाव कर रहे हैं। फाउंडेशन फॉर इंडिया एंड इंडियन डायस्पोरा स्टडीज (एफआईआईडीएस) ने शनिवार को एक रिपोर्ट में कहा कि इसी तरह 30 प्रतिशत भारतीय-अमेरिकियों की नौकरियों और इंटर्नशिप पर आर्थिक असर पड़ा है। हाल ही में किए कोविड-19 सर्वेक्षण पर आधारित रिपोर्ट में कहा गया है कि छह में से एक व्यक्ति संक्रमित पाया गया या भारतीय समुदाय के किसी परिवार के एक ऐसे सदस्य को जानता है जो संक्रमित पाया गया। हालांकि इस महामारी के कारण केवल कुछ ही भारतीय-अमेरिकियों पर आव्रजन संबंधी असर पड़ा है। एफआईआईडीएस के निदेशक खांडेराव कंद ने कहा, ''एफआईआईडीएस ने भारतीय-अमेरिकी समुदाय पर कोविड-19 के असर का पता लगाने के लिए सर्वेक्षण किया।'' अमेरिका में रह रहे भारतीय मूल के लोगों पर कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के असर के बारे में पता लगाने के लिए यह अपनी तरह का पहला सर्वेक्षण है। सर्वेक्षण के अनुसार छह भारतीय-अमेरिकियों में से पांच के पारिवारिक संबंधों में इससे कोई बदलाव या सकारात्मक बदलाव नहीं आया जबकि चार में से एक भारतीय को तनाव महसूस हुआ। एफआईआईडीएस ने कहा, ''लगभग हर भारतीय-अमेरिकी अपनी जीवनशौली बदल रहा है।'' अमेरिका के जॉन्स हॉप्किन्स विश्वविद्यालय के अनुसार इस संक्रमण से दुनियाभर में 99 लाख से अधिक लोग प्रभावित हैं और 498,000 लोगों की मौत हो चुकी है।

चीन में कोरोना वायरस संक्रमण के मामले थमे, इटली में मृत्यु दर कम हुई

बीजिंग (एजेंसी)।

चीन में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में कमी आने के बीच यहां जांच का दायरा हाल ही में खोले गए सैलूनों तक बढ़ा दिया गया है वहीं दक्षिण कोरिया में अर्थव्यवस्था को खोलने के लिए सामाजिक दूरी के नियम में ढील दिए जाने के कारण वहां संक्रमण के नए मामले सामने आ रहे हैं। अमेरिका के उप राष्ट्रपति माइक पेंस ने फ्लोरिडा में संक्रमण के मामले बढ़ने के कारण अपनी पूर्वनियोजित बस प्रचार यात्रा स्थगित कर दी है। यह यात्रा राष्ट्रपति चुनाव प्रचार अभियान से जुड़ी थी। संक्रमण से बेहद प्रभावित देश इटली में लगभग तीन माह में शानिवार को मौत के सबसे कम मामले सामने आए हैं। वहीं बीजिंग में ब्यूटी पार्लर और सैलून में संक्रमण का कोई मामला सामने नहीं आने से यह संकेत मिल रहे हैं कि यहां संक्रमण पर काफी हद तक काबू पा लिया गया है। बीजिंग के अधिकारियों ने एक बड़े थोक खाद्य बाजार को बंद कर दिया है, जहां वायरस व्यापक रूप से फैल गया था, स्कूलों को दोबारा बंद किया गया है और आस पास के कुछ स्थानों को बंद कर दिया गया है। इसके अलावा बीजिंग से बाहर जाने वाले किसी भी व्यक्ति को पिछले सात दिनों में कराए गए परीक्षण की जांच रिपोर्ट दिखानी होगी कि उसमें संक्रमण नहीं है। शनिवार को समाप्त हुए तीन दिवसीय ड्रैगन बोट फेस्टिवल के दौरान लाखों चीनी लोगों ने यात्राएं कीं लेकिन इससे संक्रमण फैलने की कोई बात सामने नहीं आई है। कोरिया के रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केन्द्र ने बताया कि संक्रमण के सामने आए 40 नए मामले घरेलू स्तर पर संक्रमण के हैं वहीं संक्रमण के 22 मामले विदेश से आए लोगों के हैं। संक्रमण के स्थानीय मामले नाइटक्लब, चर्च सेवा जैसे भीड़-भाड़ वाले इलाकों से जुड़े हैं। अमेरिका की अर्थव्यवस्था को झटका देते हुए टायसन फूड ने मिसौरी स्थित अपने चिकन प्रसंस्करण इकाई में 371 कर्मचारियों के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की घोषणा की है। अमेरिका के कंसास, इदाहो और ओकलाहोमा में संक्रमण के मामले तेजी से बढ़े हैं। इटली के स्वास्थ मंत्रालय के आंकडों के अनुसार शुक्रवार से अब तक आठ मरीजों की मौत हुई है और इसी के साथ देश में मरने वाले लोगों की संख्या 34,716 हो गई है। जर्मनी में अधिकारियों ने पश्चिमी क्षेत्र में एक बूचड़खाने में 1,300 कर्मचारियों के संक्रमित पाए जाने के बाद पूरे क्षेत्र को बंद कर दिया है। पश्चिमी क्षेत्र में 5,00,000 लोग रहते हैं। सर्बिया की सरकार ने रक्षा मंत्री एलेक्जैंडर वुलिन के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की जानकारी दी है। वुलिन ने इस सप्ताह रूस की विजय दिवस परेड कार्यक्रम में शिरकत की थी। देश के प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई राष्ट्रपति एलेक्जैंडर वूसिस कर रहे थे और वूसिस ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से आमने सामने से मुलाकात की थी देश के प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई राष्ट्रपति एलेक्जैंडर वूसिस कर रहे थे और वूसिस ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से आमने सामने से मुलाकात की थी लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि वुलिन ने भी पुतिन से मुलाकात की थी या नहीं। देश के प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई राष्ट्रपति एलेक्जैंडर वूसिस कर रहे थे और वूसिस ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से आमने सामने से मुलाकात की थी लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि वुलिन ने भी पुतिन से मुलाकात की थी या नहीं। ब्रिटेन सरकार अन्य देशों से लौटे अपने नागरिकों के लिए 14 दिन के पृथक-वास के नियम को समाप्त करने पर विचार कर रही है। भारत में कोरोना वायरस संक्रमण के मामले पांच लाख को पार कर गए हैं।

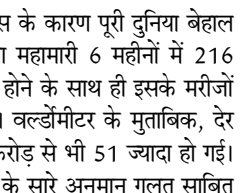

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जोधपुर में हाई प्रोफाइल सेक्स रैकेट के अड्डे पर पुलिस का छापा

मुंबई–दिल्ली और गुजरात की 6 लड़कियां गिरफ्तार

क्रांति समय

जोधपुर/गुजरात (एजेंसी)। राजस्थान के जोधपुर में हाई प्रोफाइल सेक्स रैकेट से जुड़े एक मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है1 महामंदिर पुलिस ने प्रथम पोलो पावटा स्थित जोधुपर टावर के एक फ्लैट में चल रहे देह व्यापार का भंडाफोड़ करने का दावा किया है1 साथ ही पीटा एक्ट के तहत 6 युवतियों और दो युवकों को गिरफ्तार भी करने का दावा किया गया है1 पुलिस मामले में सेक्स रैकेट का संचालन करने वाले दलाल की तलाश कर रही है1 बीते शनिवार को कार्रवाई के बाद वो अब तक पुलिस की गिरफ्त से बाहर है1 जोधपुर पुलिस के मुताबिक सेक्स रैकेट का सीधा कनेक्शन मुंबई, दिल्ली और गुजरात से है1 पकड़ी गईं सभी लड़कियां इन्हीं शहरों की रहने वाली बताई जा रही हैं। मुंबई की रहने वाली एक महिला यहां दूसरे शहर से युवतियों को लेकर जोधपुर में देह व्यापार करवा रही थी। इसके लिए उसने एक फ्लैट किराये पर ले रखा था।

जोधपुर एसीपी (केंद्रीय) देरावर सिंह ने बताया कि पावटा स्थित धर्मनारायणजी का हत्था के निकट जोधपुर टावर में अनैतिक कारोबार की जानकारी मिली थी। यहां

चौथी मंजिल पर साइमा उर्फ दीपिका नाम की महिला द्वारा देह व्यापार करवाने और अलग–अलग स्थानों से से चार–पांच युवतियों के आने सूचना मिली। तब महामंदिर थानाधिकारी सुमेरदान के साथ स्वयं एसीपी देरावर सिंह ने मय जाब्ते उक्त टावर पर रेड दी। इस दौरान यहां छह युवतियां और ग्राहक बनकर आए दो युवकों को पकड़ा। एसपी देरावर ने बताया कि पुलिस ने इस फ्लैट में गांव रेगांव ईस्ट मुंबई की साइमा उर्फ दीपिका, भीलवाड़ा निवासी दिव्या, नई दिल्ली निवासी प्रीति व गोमा थापा, ठाणे मुम्बई निवासी खुर्शिदा बानो, अहमदाबाद निवासी सेऊली और जाटों का बास जाटियावास खुर्द डांगियावास निवासी पप्पूसिंह व राजू जाट को पीटा एक्ट के तहत गिरफ्तार किया।

दलाल पुलिस के हाथ नहीं लगा है। उसने अपना मोबाइल फोन बंद कर रखा है।

पुलिस जल्द ही उसे भी गिरफ्तार कर लेगी।

पश्चिम रेलवे के साबरमती स्थित इंजीनियरिंग कारखाने में किए जा रहे है कोरोना से बचाव के प्रयास

अहमदाबाद, भारत समेत दुनियाभर में कहर बरपा रही कोरोना की रोकथाम के लिए अहमदाबाद के साबरमती स्थित पश्चिम रेलवे के इंजीनियरिंग कारखाने में हरसंभव उपाय किया जा रहे हैं।

कर्मचारियों के मध्य सोशियल डिस्टेंसिंग बनाए रखने के लिए प्रवेश द्वार पर चूने से गोले बनाए गए हैं।

प्रवेश द्वार पर पैडल मशीन की सहायता से साबुन व पानी से हाथ धुलवाने के पश्चात थर्मल गन से कर्मचारी के शरीर का तापमान मापने तथा उसके मोबाइल में 'आरोग्य सेतु एप' जांचने के पश्चात ही उसे कारखाने में प्रवेश दिया जाता है।

कार्यस्थल को भी नियमित रूप से सेनिटाइज़ किया जा रहा है। ताकि कर्मचारी कोरोना संक्रमण से सुरक्षित रहे।

सीआईएसएफ के जवान ने सर्विस रिवॉल्वर से गोली दाग सुसाइड की कोशिश

अहमदाबाद, शहर के मेघाणीनगर क्षेत्र में सीआईएसएफ के एक जवान के सर्विस गन अपने सीने में दो गोली दाग आत्महत्या की कोशिश से सनसनी फैल गई।

प्रदीप कुमार सीआईएसएफ में बतौर पीएसआई सेवारत हैं।

फिलहाल प्रदीप कुमार को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जहां उनकी हालत अच्छी है। प्रदीप कुमार ने आत्महत्या का प्रयास क्यों किया? इसकी कारण फिलहाल सामने नहीं आया है।

लेकिन पुलिस की प्राथमिक जांच में पारीवारिक कलह इसका कारण हो सकता है। प्रदीप कुमार मेघाणीनगर स्थित स्टाफ क्वार्टर में रहते हैं और एयरपोर्ट के पीछे स्थित सीआईएसएफ यूनिट में सेवारत हैं।

प्रदीप कुमार ने आत्महत्या के मकसद से सर्विस रिवॉल्वर से अपने सीने में दो गोली दागीद्य पुलिस को प्रदीप कुमार के होश में आने का इंतजार है ताकि उनका बयान लिया जा सके।

लॉकडाउन में बसें बंद होने के बावजूद एएमटीएस प्राइवेट बसों को किराया देगी

अहमदाबाद, अहमदाबाद म्युनिसिपल ट्रांसपोर्ट सर्विस (एएमटीएस) ने लॉकडाउन के के दौरान 70 दिनों तक बस सेवा बंद होने के बावजूद प्राइवेट बसों को 60 दिन का किराया देने का फैसला किया है।

लॉकडाउन के कारण म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने 20 मार्च से एएमटीएस और बीआरटीएस बस सेवा बंद कर दी थी।

70 दिन बस सेवा बंद रहने से एएमटीएस को करोड़ों का नुकसान हुआ है। इसके बावजूद एएमटीएस ने प्राइवेट कोन्ट्रेक्टरों को 60 दिन का पैमेंट करने का फैसला किया है।

एएमटीएस द्वारा 700 बसों का परिचालन किया जाता है, जिसमें 630 बसें प्राइवेट कोन्ट्रेक्टरों की है। प्राइवेट कोन्ट्रेक्टरों की बसें दो महीने से अधिक समय तक बंद होने का बावजूद उनका पैमेंट करने का एएमटीएस ने फैसला किया है।

जानकारी के मुताबिक प्राइवेट बसों का प्रति किलोमीटर रेट तय किया गया है। दो महीने से अधिक समय तक बसें बंद रहने से प्रति किलोमीटर 35 प्रतिशत की कटौती कर 65 प्रतिशत का भुगतान किया जाएगाद्य एएमटीएस के चेयरमैन के मुताबिक बंद के दौरान वेतन का भुगतान किया गया है। निविदा शर्तो के मुताबिक ईंधन का भुगतान नहीं किया गया, लेकिन वेतन भुगतान को देखते हुए प्राइवेट कोन्ट्रेक्टरों को पैमेन्ट देने का फैसला किया गया हैं। कोरोना संकट के दौरान मरीजों समेत नर्सिंग स्टाफ के लिए बसों का उपयोग किया गया था।

कडोदरा के निकट नेशनल हाईवे पर ट्रक और डम्पर के बीच भिड़ंत, 1 की मौत

सूरत अहमदाबाद–मुंबई नेशनल हाईवे पर सूरत के कडोदरा के निकट डम्पर और ट्रक के बीच जबर्दस्त भिड़ंत में एक शख्स की मौत हो गई। देर रात हुई इस घटना में ट्रक के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए । हादसे के बाद हाईवे पर लंबा जाम लग गया। अनलॉक के साथ ही हाईवे पर वाहनों के उतरने के बाद हादसों का सिलसिला भी शुरू हो गया है । आम दिनों में दुर्घटना होती रहती हैं, लेकिन अनलॉक में सीमित वाहनों के बावजूद हादसों का दौर थमा नहीं हैं। बीती रात सूरत के कडोदरा के निकट अहमदाबाद–मुंबई नेशनल हाईवे पर एक डम्पर और ट्रक के बीच भिड़ंत हो गई।

टक्कर इतनी जबर्दस्त थी कि ट्रक के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए और उसके चालक की कैबिन में ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद हाईवे पर लंबा जाम लग गया।

सूचना मिलते ही नेशनल हाईवे ऑथोरिटी और पुलिस का काफिला क्रेन समेत घटनास्थल पर पहुंच गया।

कोरोना संक्रमित शंकरसिंह वाघेला से पीएम मोदी ने फोन पर बात की

क्रांति समय

अहमदाबाद, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री शंकरसिंह वाघेला को फोन कर स्वास्थ्य संबंधी जानकारी ली। शंकरसिंह वाघेला को तीन दिनों से बुखार आ रहा था,

शनिवार को उनकी कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। जिसके बाद वाघेला होम कोरन्टाइन हो गए,

लेकिन बाद में आज उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया है।

अहमदाबाद के निजी अस्पताल में उपचाराधीन वाघेला को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने फोन कर उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। गौरतलब है कि गुजरात में कोरोना की रफ्तार थमने का नाम नहीं ले रही। गुजरात में कोरोना के अब तक 30770 मामले दर्ज हो चुके हैं और 1790 मरीजों की मौत हो चुकी है।

जबकि 22417 लोग कोरोना को मात देकर स्वस्थ भी हुए हैं। फिलहाल राज्य में कोरोना के 6566 सक्रिय मरीज हैं।

जिसमें 6497 मरीजों की हालत स्थिर है और 69 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं।

वडोदरा में ट्रेन ने बाइक सवार को उड़ाया, जल्दबाजी में युवक ने गंवाई जान

वडोदरा के एक रेलवे क्रॉसिंग से रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना सामने आई हैद्य जिसमें तेज रफ्तार में भागी जा रही ट्रेन की चपेट में आकर एक बाइक सवार की मौत हो गई। 21 जून की इस घटना के सीसीटीवी फूटेज अब सामने आए हैं।

घटना वडोदरा के बाजवा–रणोली रेलवे क्रॉसिंग की है। रेलवे फाटक बंद होने के बावजूद रेलवे लाइन के बगल के रास्ते से एक बाइक सवार अचानक रेलवे पटरी पहुंच गया। बाइक सवार कुछ समझे इससे पहले तेज रफ्तार में आई ट्रेन बाइक सवार को उड़ा ले गई। इस हादसे में बाइक सवार की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वडोदरा मंडल के जन संपर्क अधिकारी खेमराज मीना ने घटना को गंभीर बताया और कहा कि लोग नियमों का पालन नहीं करते। उन्होंने कहा इस मामले की जांच की जाएगी। दूसरी ओर एलजी गेट पर अनियमितता रोकने के लिए 24 जून से विशेष सुरक्षा अभियान शुरू किया गया है।

गुजरात में कोरोना का आंकड़ा पहुंचा 31397 पर, अब तक 1809 मौतें

अहमदाबाद, गुजरात में पिछले 24 घंटों में 624 नए केसों के साथ कोरोना का आंकड़ा 31397 पर पहुंच गया है। वहीं कोरोना से राज्य में अब तक 1809 मरीजों की मौत हो चुकी है और 22808 लोग ठीक हुए हैं।

स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक राज्य में 24 घंटों के दौरान कोरोना के सबसे अधिक मामले 211 अहमदाबाद में दर्ज हुए हैं। जबकि 170 लोग ठीक हुए और 13 मरीजों की कोरोना से मौत हो गई।

वहीं सूरत में 182, वडोदरा में 44, वलसाड में 36, पाटन में 11, गांधीनगर में 10, कच्छ में 10, मेहसाणा में 8, बनासकांठा में 7, भरुच में 7, राजकोट में 10, खेडा में 6, जूनागढ़ में 4, अरवल्ली में 4, नवसारी में 4, मोरबी में 4, भावनगर में 3, साबरकांठा में 3, आणंद में 3, बोटाद में 3, जामनगर में 2, पोरबंदर में 2, गांधीनगर में 1, गिर सोमनाथ में 1, नर्मदा में 1, तापी में 1 और अन्य राज्य 13 समेत राज्यभर में कोरोना के कुल 624 मामले दर्ज हुए है और 391 लोग कोरोना को मात देकर स्वस्थ हुए हैं। इस दौरान अहमदाबाद में 13, सूरत में 3, गांधीनगर में 1, अरवल्ली में 1 और भरुच में 1 समेत राज्य में 19 मरीजों की कोरोना से मौत हो गई। राज्य में अब तक 363306 टेस्ट किए गए

Get Instant Car Insurance

Call 9879141480

Car insurance is a concept through which you can safeguard your money in case of damage to your car.

Get Instant Health Insurance

Call 9879141480

Financial coverage for medical expenses, in case of a medical emergency.

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)